www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 3 अगस्त 2026
वर्ष: 17
अंक: 92 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर को पार्टी से निकाला

- कहा-बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे, अब कभी वापस नहीं लेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। उन्होंने रविवार को कहा- अशोक बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे। अब इन्हें कभी पार्टी में वापस नहीं लेंगे। मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर कर दिया। बेनीवाल बसपा में कोऑर्डिनेटर के साथ ही पंजाब, हिमाचल प्रदेश,

जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डेढ़ साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला है। 12 फरवरी 2025 को गुटबाजी करने पर भी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर 2025 में उनकी दोबारा पार्टी में वापसी हो गई थी। अशोक सिद्धार्थ के पास तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में बसपा की जिम्मेदारी थी। मायावती ने शनिवार को उनसे इन राज्यों का जिम्मा छीन लिया था। इसके बाद सोशल मीडिया में खबरें आईं कि अशोक सिद्धार्थ को यूपी का जिम्मा दिया जा सकता है। इससे भड़ककर रविवार को मायावती ने एक्स पर लिखा- बार-बार चेतावनी के बावजूद अशोक सिद्धार्थ के रवैये में कोई सुधार नहीं आया। इस वजह से उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली गई थीं। बावजूद इसके उन्होंने यूपी लौटने की खबरें फैलाकर कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने की साजिश रची। इसीलिए अब उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

भरत भूषण तिवारी के लिए आंदोलन करना पड़ा भारी

- बिलौटी गांव के सरोज-पंकज त्रिपाठी पर एफआईआर दर्ज

आरा (एजेंसी)। भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के बाद आंदोलन की अगुवाई करने वाले शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी त्रिपाठी बंधु काला हिरण रखने के मामले में फंस गए हैं। इस संबंध में बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी के खिलाफ शाहपुर थाना में वन्य जीव संरक्षण

अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। भोजपुर वन प्रमंडल आरा प्रक्षेत्र के शाहपुर वन कार्यालय के वन पदाधिकारी श्रीनिवास सिंह के बयान पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 11, 39 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना मिली थी कि बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी ने अपने घर में काला हिरण रखा हुआ है।

मौलाना जर्जिस अंसारी ने फिर से उगला जहर

भगवान शिव और ब्रह्मा पर दिया विवादित बयान, भड़के कांवड़िए

इंदौर (एजेंसी)। भगवान शिव और भगवान ब्रह्मा को लेकर मौलाना जर्जिस अंसारी के कथित विवादित बयान के विरोध में शनिवार को इंदौर में हिंदू संगठनों का भारी आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और कांवड़िए चंदन नगर थाने पहुंचे और मौलाना के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और बच्चों की भी मौजूदगी रही। हालात की गंभीरता को भांपते हुए थाने पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा और सुरक्षा के एहतियात के तौर पर मुख्य द्वार भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा-हमें उनकी हर प्लानिंग को नाकाम करना है

दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं

पीएम बोले-भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है। नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है। नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं।

सीजेपी प्रोटेस्ट में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था जैश आतंकी

- जंतर-मंतर में तोड़फोड़ की थी साजिश बंगाल एसटीएफ का बड़ा दावा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। एसटीएफ के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को सीजेपी के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था। एसटीएफ के डीजी गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया है।

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। एसटीएफ के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी। उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। एसटीएफ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच कर रहे हैं।

राज्यमंत्री की शिकायत के बाद जुड़े टेरर मॉड्यूल के तार

एसटीएफ ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। अधिकारी के मुताबिक जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक लड़की ऑपरेट कर रही थी।

पत्नी के 92 वीडियो देख, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

कहा-पत्नी का किसी और के साथ अफेयर तो नहीं मिलेगा मेंटीनेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर किसी पत्नी के खिलाफ व्यभिचार (एडल्टरी) के आरोप प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होते हैं, तो उसे अंतरिम भरण-पोषण नहीं दिया जा सकता। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार से जुड़े मामले के अंतिम निपटारे तक पत्नी को भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है। तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भत्ता की हकदार होगी। इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भत्ता पर रोक लगाई जा सकती है।

सुप्रीम अदालत बोली-पेश करने होंगे ठोस सबूत

अदालत ने कहा कि व्यभिचार से जुड़े मामलों में अक्सर परिस्थिति और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की गहन जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। ऐसे में अंतिम फैसले तक इंतजार करना कानून की मंशा के विपरीत होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आरोप लगाना पर्याप्त नहीं होगा। पति को ऐसे ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने होंगे, जो पहली नजर में ही आरोपों की पुष्टि करते हों। मामले में पति ने पत्नी के खिलाफ सबूत के तौर पर कई तस्वीरें और 92 वीडियो अदालत में पेश किए थे। अदालत ने आशंका जताई कि ये सामग्री जासूस की मदद से जुटाई गई है।

बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण :

जांच समिति की रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी

चमोली। बदरीनाथ मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण में अब गढ़वाल आयुक्त की जांच समिति की रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हैं। समिति ने मंदिर अधिकारी, चढ़ावा गणना कक्ष, खजांची, प्रोटोकॉल समेत विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों पर तैनात बदरी-केदार मंदिर समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज कर लिए हैं। समिति जल्द अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप सकती है।

उधर, पुलिस की जांच भी लगातार आगे बढ़ रही है। मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल के बाद अब सह आरोपी सेवानिवृत्त मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान की संपत्तियों की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि मामला उजागर होने से पहले आरोपियों ने कहीं भूमि खरीदी या किसी अन्य माध्यम में बड़ी धनराशि का निवेश तो नहीं किया। साथ ही बदरीनाथ मंदिर के कुबेर खजाने

से जुड़े वर्ष 2026 के अभिलेखों की भी गहन पड़ताल की जा रही है। जांच का सबसे अहम पहलू गणना कक्ष की मई और जून माह की करीब 30 दिन की पुरानी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग है। पुलिस ने पुरानी डीवीआर को रिकवर कराने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) देहरादून भेजा है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रिकॉर्डिंग तकनीकी कारणों से डिलीट हुई या फिर किसी ने जानबूझकर उसे हटाया।

केरलम-कर्नाटक में कोहराम, जम्मू-कश्मीर में तबाही

- उत्तर से दक्षिण तक भारी बारिश ने मचा दिया है आतंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं।

तमिलनाडु में 2000 लोगों ने बारिश के लिए प्रार्थना की

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5 सीसी से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है।

दो कारें बहीं और सड़कों पर भरा मलबा

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में शनिवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। कई मकानों और दुकानों को नुकसान पहुंचा, दो कारें बह गईं और सड़कों पर मलबा भर गया। एहतियात के तौर पर किश्तवाड़, डोडा और रामबन के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तरकाशी में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। चमोली के गौचर के पास कमेड़ा में बद्रीनाथ हाईवे का 20 मीटर हिस्सा धंस गया, जिससे यातायात वन-वे कर दिया गया है। मौसम विभाग ने 7 अगस्त तक मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है।

ईरानी सुप्रीम लीडर को तलाशने में मोसाद, सीआईए के छूटे पसीने

मोजतबा खामेनेई ने 150 दिन से नहीं उठाया फोन

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की तलाश में इजरायल और अमेरिका खुफिया एजेंसी पूरी तरह से लगी हुई हैं। ब्रिटेन के अखबार द टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इजरायल की मोसाद और अमेरिका की सीआईए मिलकर ईरान के नए सर्वोच्च नेता के ठिकाने का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। मोजतबा को फरवरी के आखिर में उनके पिता तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या के

बाद से नहीं देखा गया है। उस हमले में वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रिपोर्टों से पता चलता है कि मोजतबा खामेनेई की हालत ठीक नहीं है। उनकी चोटों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आई हैं, जिसमें गंभीर चोटों से लेकर शरीर का बिगड़ना शामिल हैं। कहा जाता है कि उन्हें बोलने में भी समस्या होती है।

मोसाद एजेंटों की मदद से कर रहा तलाश

द टाइम्स ने दावा किया कि मोसाद ईरान में अपने एजेंटों के जरिए मोजतबा के जिंदा रहने और उनके छिपने के ठिकाने का पता लगाने पर ध्यान दे रहा है। मोसाद के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि मोजतबा हो सकता है फोन का इस्तेमाल न कर रहे हों, लेकिन अगर वह जिंदा हैं तो बातचीत का कोई दूसरा तरीका जरूर अपना रहा होगा, जैसे कागज की पर्चियों पर संदेश भेजना। ऐसे में मोसाद के लिए मोजतबा को ढूढ़ने का जरिया इंसानी ही होगा। अखबार ने दावा किया कि सीआईए ने ओसामा बिन लादने का पता भी इसी तरह लगाया था।

दिन के उजाले में बाहर नहीं आते मोजतबा

रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई दिन के उजाले में बंकर से बाहर नहीं निकलते हैं। उन्हें है कि अमेरिकी जासूसी सैटेलाइट उन्हें पहचान सकते हैं। यही वजह है कि मोजतबा का पता लगाने के लिए इजरायल और अमेरिका को ईरान के अंदर मौजूद जासूसों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस बीच खुफिया समुदाय में एक चर्चा इस बात पर भी हो रही है कि मोजतबा की मौत या तो 28 फरवरी को हो गई थी या बाद में जख्मों की वजह से जान चली गई थी और आईआरजीसी के अधिकारी उनके जिंदा होने के बारे में झूठ बोल रहे हैं।

यूपी सरकार की सर्वदलीय बैठक से सपा का बहिष्कार

4 दिन के विधानसभा सत्र पर विधायक रविदास भड़के

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक का सपा ने बहिष्कार कर दिया। सपा का कोई भी विधायक बैठक में नहीं पहुंचा। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सपा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। मीटिंग के बाद सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। 4 दिनों में इतने बड़े राज्य की समस्याओं पर चर्चा करना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न हो। इसलिए सदन का

सत्र छोटा रखा गया है। वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- हम यह चाहते हैं कि विपक्ष अपने मुद्दे सदन में लाए और सरकार उनका जवाब देने के लिए तैयार है।

मंत्री राजभर बोले-सरकार चर्चा के लिए तैयार

मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- सरकार पूरी तरह तैयार है। अनुपूरक बजट लाने के लिए सरकार ये सत्र बुला रही है। वे (विपक्ष) हर सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी करते हैं, लेकिन सदन में जब सरकार चर्चा के लिए तैयार होती है, तब सदन छोड़कर भाग जाते हैं। कांग्रेस और सपा के लोग ही पेपर लीक में लिप्त हैं, कड़ा कानून बन जाएगा तो उन्हें कैसे बचा पाएंगे। उन्हें बचाने के लिए ये लोग चिंतित हैं।

कांवड़ मेले में सुरक्षा पर सख्ती

ऊंचे डीजे वाले 12 कांवड़ वाहन नारसन बॉर्डर से लौटाए

हरिद्वार। कांवड़ मेले के दौरान शिवभक्तों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्तराखंड पुलिस ने ऊंचे डीजे लगे कांवड़ वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी है। इसी क्रम में रविवार को निर्धारित सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले 12 ऊंचे डीजे कांवड़ वाहनों को आवश्यक हिदायत देने के बाद नारसन बॉर्डर से ही वापस लौटा दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ऊंचे डीजे वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से हाईटेंशन बिजली लाइनों के संपर्क में आने से करंट लगने जैसी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं, जिससे श्रद्धालुओं की जान जोखिम में पड़ सकती है। इसी खतरे को देखते हुए प्रशासन ने ऐसे वाहनों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया हुआ है।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा श्रद्धा और आस्था का पर्व है, लेकिन सुरक्षा नियमों का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों को यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन ने सभी कांवड़ यात्रियों, वाहन चालकों एवं डीजे संचालकों से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें, वाहनों की ऊंचाई तय मानकों के अनुरूप रखें तथा पुलिस और प्रशासन का सहयोग करें, ताकि कांवड़ यात्रा सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

केमू स्टेशन रोड पर हवाई फायरिंग कर फैलाई दहशत

हल्द्वानी। रोडवेज बसअड्डे के पास युवक ने लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दी। इससे आसपास भगदड़ मच गई। युवक कार से अपने साथियों के साथ मौके से निकल गया। पुलिस टीम ने नैनीताल रोड से कार सवार तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया। हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पिस्टल और कार को कब्जे में ले लिया गया है। मनोज आर्या, सचिन कुमार व कमल आर्या निवासी जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा अमेज कार से शुक्रवार की मध्य रात्रि करीब एक बजे रोडवेज बसअड्डे के पास केमू स्टेशन रोड पर खड़े थे। इसी बीच एक व्यक्ति उनका वीडियो बनाने लगा तो सचिन ने तैश में आकर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दी। फायरिंग की आवाज से बस अड्डे और आसपास खड़े लोगों में दहशत फैल गई। शीशपाल सिंह यादव नाम के किसी व्यक्ति ने पुलिस को घटना की सूचना दी। इस पर कोतवाली के एसआई संजीत राठौड़ टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। बताया कि कार सवार युवक यहां से निकल गए हैं।

अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए स्पेशल बैक परीक्षा कराने की मांग

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्रों ने कुमाऊंविश्वविद्यालय से स्पेशल बैक परीक्षा आयोजित कराने की मांग की है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने परीक्षा नियंत्रक को पत्र भेजकर अवगत कराया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित होने के बाद बड़ी संख्या में छात्रों की एक या दो विषयों में बैक रह गई है। इनमें कुछ ऐसे छात्र भी हैं जिनकी पूर्व सेमेस्टर में भी बैक थी। पत्र में कहा कि केवल एक-दो विषयों के कारण छात्रों को डिग्री पूरी करने के लिए अगले परीक्षा सत्र तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा, भर्ती और अन्य व्यावसायिक अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। छात्रों और कॉलेज प्रशासन ने विवि से अनुरोध किया है कि छात्रों के हित और भविष्य को ध्यान में रखते हुए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए स्पेशल बैक परीक्षा आयोजित की जाए।

एक नजर

सास परवीना देवी को कोर्ट से नहीं मिली राहत

देहरादून। देहरादून के बहुचर्चित सृष्टि कंडारी कथित दहेज हत्या मामले में आरोपी सास परवीना देवी को फिलहाल अदालत से कोई राहत नहीं मिली है। देहरादून की सेशन कोर्ट ने उनकी अंतरिम अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी है। अदालत के इस फैसले के बाद मामले में कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ेगी। जानकारी के अनुसार, हरीवाला निवासी नवविवाहिता शिक्षिका सृष्टि कंडारी की कथित दहेज हत्या के मामले में परवीना देवी ने सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर करते हुए अंतिम सुनवाई तक अंतरिम संरक्षण की मांग की थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने एफआईआर और उपलब्ध तथ्यों का अवलोकन किया। कोर्ट ने माना कि मामला गंभीर प्रकृति का है तथा अभियोजन पक्ष को सुने बिना अंतरिम अग्रिम जमानत देना उचित नहीं होगा। इसी आधार पर अदालत ने अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। मामले की अगली सुनवाई 10 अगस्त को निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि इस मामले में देहरादून पुलिस पहले ही मृतका के पति सौरभ खत्री और ननद सुरभि उर्फ चारु को हरीवाला स्थित लक्ष्मण एनक्लेव से गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं तीसरी आरोपी सास परवीना देवी ने गिरफ्तारी से राहत पाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उन्हें फिलहाल कोई राहत नहीं मिल सकी। सृष्टि कंडारी की मौत के बाद यह मामला पूरे उत्तराखंड में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया लगातार जारी है।

जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं देश का भविष्य

अल्मोड़ा।सोमेश्वर क्षेत्र के बजेली गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली पुलिया पिछले लगभग तीन वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ी है। पुलिया का पुनर्निर्माण नहीं होने के कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब उफनती नदी को पार करना ग्रामीणों की मजबूरी बन जाती है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि गांव के स्कूली बच्चों को अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर विद्यालय जाना पड़ रहा है। कई बार बच्चे तैरकर या पानी के तेज बहाव के बीच किसी तरह नदी पार करते हैं। ऐसे दृश्य न केवल व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाद से कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बरसात के दिनों में गांव का संपर्क कई बार पूरी तरह बाधित हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई, किसानों की आजीविका और मरीजों के इलाज पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजों को अस्पताल या बाजार जाने के लिए जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। वहीं किसान अपनी उपज को बाजार तक नहीं पहुंचा पाते, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द पुलिया का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

स्मार्ट मीटर और बिजली कटौती के विरोध में पुतला फूंका

हल्द्वानी। स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिलों और लगातार कटौती के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बुद्ध पार्क में प्रदर्शन कर सीएम का पुतला फूंका। इस दौरान सरकार और ऊर्जा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की गई। युवक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल कई गुना बढ़ गए हैं जिससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। यहां कांग्रेस नेता राजेंद्र बिष्ट, संदीप भैसोड़ा, जसविंदर भसीन, इशाक खान, रेखा जाटव, फरमान अली, सचिन राठौर, अन्नू वाल्मीकि, सुशील राय आदि रहे।

परचून की दुकान में चोरी का खुलासा

विकासनगर। विकासनगर कोतवाली पुलिस ने परचून की दुकान में हुई चोरी की वारदात का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सामान, नकदी और डीवीआर हार्ड डिस्क बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में आर्म्स एक्ट के मामले में भी जेल जा चुका है। जानकारी के अनुसार पश्चिमीवाला निवासी राजेश ठाकुर ने कोतवाली विकासनगर में तहरीर देकर बताया कि उनकी अर्द्धसैनिक कैंटीन नामक परचून की दुकान की छत उखाड़कर अज्ञात चोर अंदर घुस गए और दुकान से ड्राई फ्रूट्स, नमकीन, सिगरेट, डीवीआर हार्ड डिस्क तथा करीब एक हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। लगातार की गई जांच और सुरागरसी के आधार पर पुलिस ने बुलाकीवाला स्थित कुर्बानी स्थल के पास से इमरान (25) पुत्र इनाम, निवासी बुलाकीवाला, विकासनगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से दो पैकेट

बादाम, दो पैकेट काजू, तीन पैकेट खजूर, चार पैकेट नमकीन, छह डिब्बी सिगरेट, 990 रुपये नकद तथा चोरी की डीवीआर हार्ड डिस्क बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह स्मैक का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है कि वह अन्य घटनाओं में भी शामिल रहा है या नहीं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मजदूरी कार्ड धारकों को सामग्री वितरित की

विकासखंड । विकासनगर की ग्राम पंचायत सभावाला में ग्राम प्रधान श्रीमती सीमा देवी (सीमा चौहान) के नेतृत्व में एक ओर जहां स्वच्छ भारत अभियान के तहत बरसाती नाले की व्यापक सफाई कराई जा रही है, वहीं दूसरी ओर मनरेगा (मजदूरी) कार्ड धारकों को आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया गया। बरसात के मौसम में जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से पंचायत क्षेत्र में बरसाती नाले की सफाई का कार्य कराया जा रहा है। सफाई अभियान मजदूरों एवं जेसीबी मशीन की सहायता से युद्धस्तर पर जारी है। ग्राम प्रधान स्वयं मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण कर रही हैं। नाले में वर्षों से जमा मिट्टी, गाद और कूड़े-कचरे को हटाकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके।

इस दौरान प्रधान के साथ मेहरबान अली, सतपाल चौधरी, वीरपाल चौधरी एवं वार्ड सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने सफाई अभियान का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। इसी क्रम में ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा (मजदूरी) कार्ड धारकों को आवश्यक सामग्री का भी वितरण किया गया। पात्र लाभार्थियों को पंचायत की ओर से निर्धारित सामग्री उपलब्ध कराई गई। लाभार्थियों ने ग्राम पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए पंचायत का आभार व्यक्त किया। ग्राम प्रधान श्रीमती सीमा देवी (सीमा चौहान) ने कहा कि ग्राम पंचायत का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ पहुंचाना है।

घास लेने गई महिला की उफनते गदेरे में बहने से गई जिंदगी

रुद्रप्रयाग । जिले के बसुकेदार क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। ग्राम स्वारा के नामी तोक क्षेत्र में घास लेने गई एक महिला उफनते गदेरे के तेज बहाव में बह गई। सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद महिला का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 11:32 बजे ग्राम प्रधान सेमकोटी ने जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सूचना दी कि ग्राम स्वारा के तिमली क्षेत्र से आगे घास लेने गई एक महिला अचानक उफनते गदेरे की चपेट में आ गई। लगातार बारिश के कारण गदेरा उफान पर था और तेज बहाव में महिला देखते ही देखते बह गई।

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार के निर्देशन में जल पुलिस, एसडीआरएफ (रऊफा) और डीडीआरएफ (उऊफा) की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव दल ने गदेरे और आसपास के क्षेत्र में युद्धस्तर पर सर्च अभियान चलाया। करीब डेढ़ घंटे की तलाश के बाद महिला का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर बरामद कर लिया गया।

मृतका की पहचान 38 वर्षीय विनीता देवी, पत्नी हिम्मत सिंह नेगी, निवासी ग्राम कोटी के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र के अधिकांश गदेरे और बरसाती नाले उफान पर हैं, जिससे आवाजाही और दैनिक कार्य भी जोखिम भरे हो गए हैं।

एसटीएच में जूनियर रेजिडेंट नहीं करेंगे मरीज रेफर

हल्द्वानी। एसटीएच में मरीजों को अनावश्यक रेफर करने और बाहर की दवा लिखने की शिकायत पर अब सख्त कार्रवाई होगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण जोशी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी जूनियर रेजिडेंट (जेआर) अपने स्तर पर किसी मरीज को रेफर नही करेगा। रेफर करने से पहले संबंधित सीनियर डॉक्टर, विभागाध्यक्ष (एचओडी) या चिकित्सा अधीक्षक की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। डॉ. जोशी ने कहा कि प्राचार्य और चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय की ओर से पूर्व में जारी आदेशों की अवहेलना की जा रही है जिसे अब बर्दाश्त नही किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि अस्पताल में उपलब्ध दवा ही मरीजों को लिखी जाए। किसी विशेष दवा की आवश्यकता हो और वह अस्पताल में उपलब्ध न हो तो नियमानुसार स्वीकृति के बाद ही बाहर की दवा लिखी जाएगी। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग के सीनियर, जूनियर रेजिडेंट और अन्य चिकित्सकों की बैठक कर निर्देशों से अवगत कराने और बैठक की लिखित सूचना चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बारिश का कहर: जुड्डो-लखवाड़ बेंड के बीच मलबा, घंटों जाम में फंसे लोग

विकासनगर। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते विकासनगरझनैनबाग राष्ट्रीय राजमार्ग पर जुड्डो और लखवाड़ बेंड के बीच कई स्थानों पर भारी मलबा और चट्टानें आने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सड़क पर मलबा फैल जाने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं।

हालात ऐसे बन गए कि कई दोपहिया वाहन चालक अपनी बाइक और स्कूटी को खींचकर मलबे के बीच से निकालने को मजबूर हुए, जबकि चारपहिया वाहन लंबे समय तक जाम में फंसे रहे। यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूचना मिलने पर संबंधित विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने का कार्य शुरू किया। हालांकि लगातार बारिश के चलते मार्ग पर दोबारा मलबा आने का खतरा बना हुआ है।

करोड़ों की जमीन हड़पने की साजिश का एक और आरोपी गिरफ्तार

देहरादून । पुलिस द्वारा भू-माफियाओं और भूमि से जुड़े संगठित अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने की साजिश का खुलासा करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी राजकमल (53 वर्ष) को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया है। मामले की मुख्य आरोपी महिला को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, पटेलनगर निवासी राहुल देव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके ममेरे दादा स्वर्गीय केवल कृष्ण ने वर्ष 2009 में वसीयत के माध्यम से अपनी संपत्ति उनके नाम कर दी थी। वर्ष 2016 में उनके निधन के बाद वर्ष 2024 में राजस्व अभिलेखों में संपत्ति उनके नाम दर्ज हो गई।

हालांकि वर्ष 2026 में भूमि की फर्द

निकलवाने पर चौंकाने वाला खुलासा हुआ। शिकायतकर्ता के अनुसार, बबीता देवी, राजकमल और मोहम्मद इनाम कुरैशी ने कथित रूप से मृतक के नाम पर वर्ष 2025 का फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कराया और मृत व्यक्ति की जगह किसी अन्य व्यक्ति को प्रस्तुत कर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये की भूमि पर कब्जा करने और न्यायालय से स्टे हासिल करने का प्रयास किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए 17 अप्रैल 2026 को कोतवाली पटेलनगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने रजिस्ट्री कार्यालय, राजस्व विभाग तथा विभिन्न बैंकों से दस्तावेज एकत्र किए, जिनसे आरोपियों के खिलाफ महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले।

इससे पहले पुलिस ने मुख्य आरोपी बबीता देवी को 1 जून 2026 को सहारनपुर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं फरार आरोपी राजकमल को 31 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर सहारनपुर के जय कॉलोनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश लगातार जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

हल्द्वानी, काठगोदाम और रामनगर में भी मिलेगा शुद्ध पेट्रोल

हल्द्वानी। कुमाऊं के वाहन चालकों को जल्द ही शुद्ध पेट्रोल (इथेनॉल रहित) मिलने लगेगा। पहले चरण में इसी माह से भारत पेट्रोलियम के चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर हल्द्वानी, काठगोदाम और रामनगर में इसकी बिक्री शुरू करने की तैयारी है। विशेष पेट्रोल की कीमत करीब 169 रुपये प्रति लीटर के आसपास रहेगी जो सामान्य पेट्रोल से काफी अधिक है। शुद्ध पेट्रोल मुख्य रूप से विंटेज और हाई-परफॉर्मेंस वाहनों, स्पोर्ट्स बाइक, बोट इंजन, जेनरेटर तथा ऐसे इंजनों के लिए उपयोगी माना जाता है जिनमें लंबे समय तक ईंधन रखने की जरूरत होती है। इसमें इथेनॉल न होने से नमी और जंग लगने की संभावना कम रहती है तथा इंजन की कार्यक्षमता बेहतर रहती है। वर्तमान में देशभर में अधिकतर पेट्रोल पंपों पर 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री हो रही है।

पुतला दहन कर जताया विरोध

अल्मोड़ा। भाजपा विधायक पर उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के कार्यकर्ताओं के साथ कथित बदसलूकी और अमर्यादित भाषा के प्रयोग के आरोपों को लेकर सल्ट विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गर्मा गया। इसी क्रम में रविवार को यूकेडी कार्यकर्ताओं ने जैनल में भाजपा विधायक का पुतला दहन कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए और किसी भी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोहराई गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

यूकेडी नेता एवं सल्ट विधानसभा क्षेत्र से जुड़े प्रताप सिंह बसनाल ने कहा कि सल्ट वीरों की भूमि है, यहां किसी की दादागिरी नहीं चलेगी।

बागेश्वर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ती की संदिग्ध मौत

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जनपद से एक बेहद दुखद और संवेदनशील मामला सामने आया है। जिले की कांडा तहसील के बांसतोली गांव में रविवार को एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ती का शव घर के समीप खेत में पेड़ से लटका मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच कर रही है।

घर के पास खेत में मिला शव

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान 47 वर्षीय कमला देवी के रूप में हुई है, जो स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ती के रूप में सेवाएं दे रही थीं। रविवार सुबह उनका शव घर के पास स्थित खेत में एक पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों ने घटना की सूचना तत्काल कांडा थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बलवंत कम्बोज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, आवश्यक साक्ष्य जुटाए और पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी स्थिति स्पष्ट

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत के कारणों को लेकर कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की जांच की जाएगी। पुलिस आत्महत्या, दुर्घटना अथवा अन्य किसी संभावित पहलू सहित सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

कमला देवी अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गई हैं। उनके पति निजी क्षेत्र में कार्यरत बताए जा रहे हैं। इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है। मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ जाने से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

मार्ग पर धमक रहे हाथी, वन विभाग नहीं दे रहा चेतावनी

वन विभाग की ओर से मार्ग पर नहीं लगाए गए हैं पर्याप्त चेतावनी बोर्ड

कोटद्वार- दगुड्डा मार्ग के समीप आमसौड़ तक पहुंचे हाथी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में इन दिनों हाथी सड़क के आसपास चहलकदमी करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में यदि सावधानी हटी तो बड़ी घटना घट सकती है। हालांकिए वन विभाग की ओर से हाथियों पर नजर रखने के लिए विभागीय टीम गठित की गई है। लेकिनए हाथियों को लेकर स्वयं भी सचेत रहना बेहद जरूरी है। कोटद्वार नगर निगत क्षेत्र चारों ओर से आरक्षित वन से घिरा हुआ है। क्षेत्र में हाथियों की तादाद काफी अधिक है। मानसून के दौरान जंगल के भीतर जहरीले कीड़े से बचने के लिए हाथी खुले स्थान पर आ जाते हैं। सोमवार देर शाम कोटद्वार.पुलिंडा मार्ग पर भी हाथी धमक गए थे। झुंड में बच्चों के साथ घूम रहा हाथी राह चलते लोगों को देख आक्रामक हो रहा हैए जिससे खतरा ओर अधिक बढ़ गया है। यही स्थिति सिद्धबली.सनेह मार्ग पर भी देखने को मिल रही है। पिछले कई दिनों से हाथी जंगल से निकल कर आबादी क्षेत्र में धमक रहा है। कुछ दिन पूर्व हाथी ने ग्रास्टनगंज में शिव मंदिर की दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया था। यही नहींए आए दिन हाथी सिद्धबली पार्किंग में पहुंचकर उत्पात मचा रहा है।

राहगीर भी रहें सावधान

सड़क पर पहुंच रहे हाथियों को देख कई लोग उत्साहित हो जाते हैं। ऐसे में वह कई बार उनके नजदीक जाकर फोटो खींचने का प्रयास करते हैं। हाथियों के नजदीक जाना जीवन के लिए घातक साबित हो सकता है। कई बार लोग हाथियों के ऊपर पत्थर भी फेंकने लगते हैंए ऐसे में हाथी उग्र हो जाता है। सुरक्षा को देखते हुए राहगीरों को हाथियों के नजदीक जाने से बचना चाहिए। साथ ही हाथी के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें।

जड़ी-बूटी दिवस पर निश्शुल्क औषधीय पौधों का होगा वितरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भारत स्वाभिमान न्यास और पतंजलि योग समिति की मासिक बैठक में आगामी चार अगस्त को आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर निश्शुल्क औषधीय पौधों का वितरण किया जाएगा। गाड़ीघाट स्थित हैप्पी चिल्ड्रन एकेडमी में आयोजित बैठक में बताया गया कि जड़ी-बूटी दिवस कार्यक्रम का आयोजन मालवीय उद्यान में किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए चंद्र किशोर असवाल को संयोजक तथा रजनी अग्रवालए सतेंद्र कुमारए रूप सिंह और सुरेश चंद्र को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने श्री सिद्धबली परिसर और बुद्धा पार्क में आयोजित योगासन कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इस दौरान लोगों को नियमित योग से जुड़ने और क्षेत्र में संचालित निश्शुल्क योग कक्षाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यकर्ताओं ने लोगों से चार अगस्त को आयोजित होने वाले जड़ी-बूटी दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की। बैठक में न्यास के जिला प्रभारी दिनेश जुयाल सहित समिति के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों की समीक्षा, निस्तारण के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विकासखंड द्वारीखाल सभागार में ब्लॉक प्रमुख बीना राणा की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्योंए जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और लंबित शिकायतों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की ओर से उठाई गई विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने अपने अपने विभागों के कार्यों की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान कई शिकायतों के लंबित पाए जाने पर प्रमुख बीना राणा ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान की जानकारी संबंधित शिकायतकर्ता और कार्यालय को भी उपलब्ध कराई जाए। प्रमुख ने अधिकारियों से उत्तराखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार.प्रसार करने को कहाए ताकि ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे उनका अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राणा ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों में तेजी लाने और जनहित से जुड़े मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक में खंड विकास अधिकारी जयकृत सिंह बिष्ट ऊर्जा निगम की अधिशासी अभियंता नंदिता अग्रवालए जल निगम के अवर अभियंता बालम सिंह नेगी, जल संस्थान के अवर अभियंता देवकीनंदन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ विशाल शर्मा लोक निर्माण विभाग की अवर अभियंता कंचन मुयालए पीएमजीएसवाई के अवर अभियंता विनय कुमार, पशु चिकित्साधिकारी डॉ उमेश चंद्र, नफीज अहमद, एडीओ पंचायत कृष्णपाल सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ग्राम विकास अधिकारी सतीश ने किया।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता व हरियाली का संदेश लेकर उतरी दर्पण वेलफेयर सोसाइटीए

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः दर्पण वेलफेयर सोसाइटी की ओर से शहर में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अभियान चलाया गया। अभियान के तहत लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की गई। अभियान के पहले चरण में निंबूचौड़ प्राथमिक विद्यालय परिसर में करीब 20 पौधे लगाए गए। इस दौरान सोसाइटी के सदस्यों ने विद्यालय परिसर को हरा.भरा और पर्यावरण के अनुकूल बनाने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को पौधों की नियमित देखभाल व संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि विद्यालयों में लगाए गए पौधे बच्चों में प्रकृति के प्रति लगावए जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने में सहायक होते हैं। अभियान के दूसरे चरण में देवी रोड पर एसबीआई एटीएम से तीलू रौतेली चौक तक करीब 30 सजावटी गमले लगाए गए। इनमें विभिन्न प्रजातियों के हरित और सजावटी पौधे रोपे गएए जिससे मार्ग की सुंदरता बढ़ने के साथ ही स्वच्छ और आकर्षक वातावरण तैयार हो सके। स्थानीय नागरिकों ने सोसाइटी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में सकारात्मक कदम बताया। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण और घटती हरियाली चिंता का विषय है। केवल पौधे लगाना ही नहींए बल्कि उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल करना भी सभी की जिम्मेदारी है। सोसाइटी ने बताया कि भविष्य में भी शहर के विद्यालयोंए सार्वजनिक स्थलोंए पार्कों और प्रमुख मार्गों पर पौधारोपण व सौंदर्यीकरण अभियान जारी रखा जाएगा। संस्था का लक्ष्य जनसहभागिता के माध्यम से कोटद्वार को स्वच्छए सुंदर और हरित शहर के रूप में विकसित करना है।

जब अपनों ने छोड़ा साथ तब खाकी बनी बुजुर्ग महिला का सहारा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सड़क पर बेसहारा भटक रही 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला के लिए कोटद्वार पुलिस उम्मीद की किरण बनकर सामने आई। पुलिस ने न केवल उन्हें सुरक्षित आश्रय दिलायाए बल्कि उनके रहने व भोजन और उपचार की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार के निर्देशन में जनसेवा और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देते हुए पुलिस लगातार जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रही है। इसी क्रम में 31 जुलाई को पुलिस टीम को कोटद्वार क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला अकेली और असहाय अवस्था में भटकती मिली। पुलिसकर्मियों ने उनसे बातचीत की तो पता चला कि उनके पति का कई वर्ष पहले निधन हो चुका है और उनका कोई अपना उनकी देखभाल करने वाला नहीं है। सहारे के अभाव में वह लंबे समय से सड़कों पर ही जीवन बिताने को मजबूर थीं। महिला की आपबीती सुनकर ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल विद्या मेहता, कांस्टेबल राहुल कुमार और कांस्टेबल सत्येंद्र लखेड़ा ने तुरंत पहल की। उन्होंने जहरीखाल स्थित वृद्धाश्रम के प्रबंधक नीरज से संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। सहमति मिलने के बाद पुलिस टीम ने बुजुर्ग महिला को सुरक्षित वृद्धाश्रम पहुंचाया। जहां उनके रहनेए भोजनए देखभाल और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कराई गई।

भाषाओं की समरसता व बहुलता पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के यूजीसी,एमएमटीटीसी केंद्र में 20 जुलाई से 1 अगस्त तक भारतीय भाषाओं की समरसता एवं बहुलता का स्वरूप विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम संपन्न हो गया। इसमें देश भर से आए 60 शिक्षकों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. सुधीर कुमार सिंह ने नई शिक्षा नीति.2020 के तहत ऐसे आयोजनों को शिक्षकों के अकादमिक विकास के लिए अहम बताया। दिल्ली विवि के प्रो दर्शन पांडे, कुमाऊं विवि की प्रो चंद्रकला रावत और जेएनयू के प्रो सुधीर प्रताप सिंह ने भारतीय साहित्य सांस्कृतिक चेतना उत्तराखंड की भाषा विविधता और भाषाओं के संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो गुड्डी बिष्ट पंवार ने प्रतिभागियों को नई समझ मिलने की बात कही। संकायाध्यक्ष प्रो डीएस कैंतुरा की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में केंद्र के निदेशक प्रो डीएस नेगी, सोमेश थपलियाल, डा. कविता भट्ट और डॉ.राहुल कुंवर सिंह आदि मौजूद रहे।

समाजसेवी सत्यप्रकाश थपलियाल को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक मंच की ओर से समाजसेवी और शिक्षाविद स्व. सत्यप्रकाश थपलियाल की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। देवी मंदिर स्थित एक रिजोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन, नागरिक मंच, साहित्यांचल संस्था सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्व. थपलियाल के चित्र पर माल्यार्पण किया। वक्ताओं ने कहा कि सत्यप्रकाश थपलियाल का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। वक्ताओं ने कहा कि स्व. सत्यप्रकाश थपलियाल एक उच्चकोटि के शिक्षाविद होने के साथ ही समर्पित समाजसेवी भी थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने समाज सेवा को अपना लक्ष्य बनाया और नशामुक्ति अभियान से जुड़कर विद्यालयों में जाकर युवाओं को जागरूक किया। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कारों के महत्व को लेकर शिक्षकों को भी प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मातृ-पितृ विहीन बच्चों को शिक्षा से वंचित न रहना पड़े, इसके लिए स्व. थपलियाल ने छात्रवृत्ति की

आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते वक्ता

व्यवस्था शुरू की, जिसका लाभ जनपद के कई छात्र-छात्राओं को मिल रहा है। वक्ताओं ने कहा कि समाज हित में किए गए उनके कार्य हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि स्व. थपलियाल सरल, मृदुभाषी और संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी थे। इस अवसर पर कई वक्ताओं ने स्वरचित कविताओं के माध्यम से उनके जीवन और कार्यों को याद किया। इस मौके पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, प्रकाश कोठारी, डॉ. नंद किशोर ढौंडियाल, अजय पाल सिंह रावत, आरपी पंत, मयंक कोठारी, सुभाष नौटियाल, नागेंद्र उनियाल, बीबी ध्यानी, जयवीर सिंह रावत, वंदना भारद्वाज, रमेश चंद्र खंतवाल, चंद्र प्रकाश नैथानी, रिपुदमन सिंह, ब्रिजेंद्र सिंह, चंद्रिका जोशी, डॉ. पदमेश बुडाकोटी, राकेश अग्रवाल और पूजा थपलियाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पितरों की स्मृति में रोपे पौधे पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पर्यावरण संरक्षण और पूर्वजों की स्मृतियों को जीवंत रखने के उद्देश्य से पोखड़ा प्रखंड के ग्राम उबोट में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भलु लगद फीलगुड एवं फ्रेंड्स ऑफ हिमालय की ओर से संचालित प्रोजेक्ट नयार के तहत ग्रामीण सुरेंद्र रावत की माता की पुण्य स्मृति में पौधे रोपे गए। इस अवसर पर पौधों की वाटिका तैयार करते हुए उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि परिवारजनों की स्मृति में पौधारोपण करना पर्यावरण संरक्षण के साथ.साथ पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। ऐसे प्रयासों से आने वाली पीढ़ियों को भी प्रकृति संरक्षण की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ प्रेम बहुखंडी ने कहा कि स्मृति के रूप में लगाए गए पौधे वर्षों तक परिवार और समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस प्रकार के अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। सुधीर कुमार सुंदरियाल ने कहा कि वह लंबे समय से एक पुगड़ी पितरों का नाम अभियान के माध्यम से बंजर खेतों को फिर से हरा-भरा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र सिंह रावत भी इस प्रेरणादायी अभियान का हिस्सा हैं। पूर्वजों ने जिस भूमि और विरासत को संजोकर रखाए उसके संरक्षण की जिम्मेदारी वर्तमान पीढ़ी की है। इस मौके पर महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय धैड़गांव के कृषि विभागाध्यक्ष डॉ योगेश अग्रवाल, डॉ प्रेम बहुखंडी, जितेंद्र सिंह रावत, अनूप सिंह बिष्ट, बलबीर सिंह रावत, शशि देवी, विजया देवी, बाबी देवी, अर्जुन सिंह रावतए कमल सिंह सजवान, उमेश सुंदरियाल, जगदीश सिंह रावत, बबेंद्र सिंह रावत, रविंद्र नेगी दिव्या बुड़ाकोटी डोभाल, निशा भंडारी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

वित्तीय लाभों की रिकवरी किए जाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने बर्खास्त शिक्षक नफीस अहमद से सेवा अवधि के दौरान प्राप्त वेतन और अन्य वित्तीय लाभों की रिकवरी किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मामला केवल एक शिक्षक की बर्खास्तगी तक सीमित नहीं है। बल्कि इससे भर्ती प्रक्रिया और शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े होते हैं। जारी बयान में राम कंडवाल ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने नियमों के विपरीत सरकारी नौकरी हासिल की है तो नियमानुसार उसे सेवा अवधि में दिए गए वेतन और अन्य लाभों की वसूली की जानी चाहिए। उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की। उन्होंने कहा कि इस मामले को वह लगातार उठाते रहे हैं। वहीं कोटद्वार के एक स्थानीय पार्षद की शिकायत के बाद शिक्षा विभाग ने विभागीय जांच कराई जिसमें आरोप सही पाए जाने पर संबंधित शिक्षक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। राम कंडवाल ने वर्ष 2023 में नफीस अहमद को दिए गए शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार की चयन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पुरस्कार चयन से जुड़े अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियां प्रदेश के योग्य युवाओं का अधिकार हैं। भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं को रोकने के लिए सरकार को भर्ती प्रक्रियाओं में और अधिक पारदर्शिता बरतते हुए सख्त कदम उठाने चाहिए।

नशामुक्त भारत के लिए अभियान चलाने का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में नशामुक्त युवाए विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत एंटी ड्रग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया और नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अशोक कुमार शर्मा और प्रतिकुलपति डा. पीएस राणा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोण् अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। प्रतिकुलपति प्रो पीएस राणा ने कहा कि विद्यार्थियों को समाज में नशे के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से अपने लक्ष्य, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने तथा किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्लोगन और पोस्टर के माध्यम से नशा मुक्ति को लेकर प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर ज्योति नेगी, हर्षित शर्मा, अरुण खंतवाल, डॉ अभिषेक शर्मा, डॉ ज्योति सक्सेना, विकास कुमार पाल, गुरजंत सिंह, शिवानी नेगी, जूही ठाकुर और साक्षी रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कफनौल मंदिर में विराजे धयेस्वर नाग महाराज

नौगांव (उत्तरकाशी)। पल्ली मुंगरसंती क्षेत्र के आराध्य देव धयेस्वर नाग महाराज वर्षभर के लिए कफनौल स्थित मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गए। इस अवसर पर आयोजित भंडारदु कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों, जयकारों और लोकनृत्य के साथ देव डोली का भव्य स्वागत और विदाई की। धार्मिक आस्था और लोक परंपराओं का संगम बने इस आयोजन में मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। सुबह धयेस्वर नाग की देव डोली दासौं गांव से कफनौल के लिए रवाना हुई। कफनौल पहुंचने पर धयेस्वर नाग और बाबा बौखनाग की देव डोलियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य मिलन हुआ, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। देव डोलियों के स्वागत में श्रद्धालुओं ने ढोल-दमाऊं की थाप पर नृत्य कर अपनी आस्था व्यक्त की। देव विदाई के दौरान कई महिलाओं पर देवियां

अवतरित हुईं, जिससे पूरा मंदिर परिसर श्रद्धा और उत्साह के माहौल में गूंज उठा। इसके बाद धयेस्वर नाग महाराज को विधि-विधान से मंदिर के गर्भगृह में विराजमान कराया गया। अब वर्षभर श्रद्धालु यहीं पर देवता के दर्शन कर सकेंगे। पूजन के दौरान धयेस्वर नाग के देव माली राम प्रकाश थपलियाल और बाबा बौखनाग के देव माली संजय डिमरी ने श्रद्धालुओं को सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अनिता पंवार, समिति अध्यक्ष सूरत सिंह पंवार, चंद्रमोहन पंवार, जगत सिंह, बद्री सिंह, मालचंद राणा, जनार्दन, राधेश्याम आदि मौजूद रहे।

आगामी विस चुनाव में पार्टी को मजबूत करने का लिया संकल्प

गैरसैंण। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ की ओर से यहां आयोजित महासम्मेलन में प्रदेशभर से 250 से अधिक पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। सैनिकों ने 2027 के विधानसभा चुनाव में उक्रांद को मजबूत करने का संकल्प लिया। कहा गया कि पलायन और बेरोजगारी से प्रदेश त्रस्त है। इसलिए अब गांव-गांव जागरण अभियान चलाया जाएगा।

सम्मेलन की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सूबेदार मेजर महिपाल सिंह पुंडीर ने की। मुख्य अतिथि उक्रांद के उपाध्यक्ष कर्नल सुनील कोटनाला, पूर्व कुलपति यूएस रावत और केंद्रीय महामंत्री कर्नल कैलाश देवरानी सहित कई वरिष्ठ पूर्व सैनिक एवं वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद भी आंदोलनकारियों के सपने अधूरे हैं।

उन्होंने स्थायी राजधानी गैरसैंण, पलायन, बेरोजगारी और सैनिकों के सम्मान जैसे मुद्दों पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। 200 से अधिक पूर्व सैनिकों ने जै पहाड़ जै पहाड़ी के नारे लगाए। उन्होंने गांव-गांव जाकर जनजागरण करने का आह्वान किया।

दो माह में ही टूटा पिछले सीजन का आंकड़ा, 16,462 पर्यटक पहुंचे

ज्योर्तिमठ(चमोली), एक जून से 30 जुलाई तक फूलों की घाटी में 16,462 पर्यटक पहुंच चुके हैं। इनमें 86 विदेशी और शेष भारतीय पर्यटक शामिल हैं। विश्व धरोहर फूलों की घाटी इस वर्ष पर्यटकों की पहली पसंद बनी हुई है। सीजन शुरू होने के महज दो माह में ही घाटी ने पिछले पूरे वर्ष का पर्यटक रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या से वन विभाग के राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एक जून से 30 जुलाई तक फूलों की घाटी में 16,462 पर्यटक पहुंच चुके हैं। इनमें 86 विदेशी और शेष भारतीय पर्यटक शामिल हैं। पिछले वर्ष पूरे सीजन में घाटी में 15,924 पर्यटक आए थे जिनमें 416 विदेशी पर्यटक थे। इस बार विदेशी पर्यटकों की संख्या भले कम रही हो लेकिन भारतीय पर्यटकों की रिकॉर्ड आमद ने कुल संख्या को नया मुकाम दिलाया है। फूलों की घाटी की वनक्षेत्राधिकारी चेतना कांडपाल ने बताया कि पर्यटकों की बढ़ी संख्या से विभाग को राजस्व का भी लाभ मिला है। पिछले पूरे सीजन में विभाग को 33.28 लाख रुपये की आय हुई थी जबकि इस वर्ष केवल दो माह में ही 30.35 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि घाटी अभी करीब तीन माह और पर्यटकों के लिए खुली रहेगी जिससे पर्यटकों की संख्या और राजस्व दोनों में और वृद्धि की उम्मीद है।

समाज को नशामुक्त बनाने का दिया संदेश

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में मेरा भारत चमोली के तहत जिला स्तरीय नशा मुक्ति प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, सकारात्मक और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत, कविता पाठ, चित्रकला, स्लोगन लेखन, रील मेकिंग सहित आठ विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी डीएन द्विवेदी ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंनेयुवाओं से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

आपदाओं के दोहरे खतरे में स्यानाचट्टी

बड़कोट। यमुनोत्री धाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव स्यानाचट्टी प्राकृतिक आपदाओं के दोहरे संकट से जूझ रहा है। एक ओर उफनती यमुना नदी लगातार कटाव कर रही है, वहीं दूसरी ओर पहाड़ों से हो रहे भूस्खलन ने खतरा बढ़ा दिया है। जून 2025 से लगातार आपदाओं की मार झेल रहा यह कस्बा अब अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है, जबकि स्थायी सुरक्षा उपाय अब भी अधूरे कार्यों और कागजों तक सीमित हैं।

पिछले वर्ष कुपड़ा खड्ड से आए भारी मलबे और बोल्डरों ने यमुना का प्रवाह रोककर अस्थायी झील जैसी स्थिति पैदा कर दी थी, जिससे क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ था। वर्तमान में डडोटी खड्ड से लगातार आ रहा मलबा यमुना नदी के तल को ऊंचा कर रहा है। इससे नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है और होटल व अन्य भवन खतरे की जद में आ गए हैं।

वहीं, सड़क चौड़ीकरण के दौरान हुई अनियंत्रित कटिंग से पहाड़ अस्थिर हो गए हैं। लगातार हो रहे भूस्खलन से स्थानीय लोगों की सुरक्षा के साथ ही चारधाम यात्रा पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है।

संपादकीय

आस्था पर हिंसा का स्थान नहीं

कावड़ यात्रा की शुरुआत के साथ ही हरिद्वार में हिंसा की कुछ मामले प्रकाश में आए हैं जिसके बाद इस यात्रा को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से और अधिकऐतिहासिक की जरूरत है। भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और आत्मसंयम का एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है। लाखों श्रद्धालु हर वर्ष पवित्र नदियों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि त्याग, सेवा, धैर्य और सामूहिक सहयोग की भावना का भी परिचायक है। किंतु हाल के वर्षों में कुछ घटनाओं के कारण कांवड़ यात्रा और उससे जुड़ी हिंसक घटनाओं को एक ही दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जबकि वास्तव में कांवड़ और अराजक हिंसा दो बिल्कुल अलग अवधारणाएँ हैं। कांवड़ यात्रा का मूल स्वरूप श्रद्धा और अनुशासन पर आधारित है। एक सच्चा कांवड़िया यात्रा के दौरान संयमित जीवन जीने, धार्मिक नियमों का पालन करने और दूसरों के प्रति सम्मान रखने का प्रयास करता है। रास्ते में लगने वाले सेवा शिविर, निशुल्क भोजन, चिकित्सा सहायता और सामाजिक सहयोग इस यात्रा की सकारात्मक पहचान हैं। यह परंपरा समाज में सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करती है। दूसरी ओर, अराजक हिंसा का संबंध कानून और सामाजिक मर्यादाओं के उल्लंघन से है। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर तोड़फोड़ करता है, लोगों को डराता—धमकाता है, वाहन क्षतिग्रस्त करता है या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ता है, तो उसका व्यवहार हिंसा की श्रेणी में आता है, चाहे वह किसी भी पहचान या समूह से जुड़ा हो। ऐसे कृत्य न केवल कानून के विरुद्ध हैं, बल्कि धार्मिक मूल्यों के भी विपरीत हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब कुछ असामाजिक तत्व किसी धार्मिक आयोजन की भीड़ का लाभ उठाकर अनुचित गतिविधियों को अंजाम देते हैं। उनके कार्यों का प्रभाव पूरे समुदाय या यात्रा पर पड़ता है और समाज में गलत संदेश जाता है। इससे उन लाखों श्रद्धालुओं की छवि भी प्रभावित होती है जो पूरी निष्ठा और शांति के साथ अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करते हैं। मीडिया और समाज की भी यह जिम्मेदारी है कि वे आस्था और हिंसा के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखें। किसी एक घटना के आधार पर पूरे धार्मिक आयोजन को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं है, वहीं हिंसक घटनाओं को केवल धार्मिक पहचान के आधार पर नजरअंदाज करना भी गलत है। निष्पक्ष दृष्टिकोण यही है कि श्रद्धा का सम्मान हो और कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो।

अंततः कांवड़ यात्रा भारतीय समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, जबकि हिंसा सामाजिक व्यवस्था के लिए चुनौती है। दोनों को एक—दूसरे का पर्याय मानना न तो न्यायसंगत है और न ही समाजहित में। आवश्यकता इस बात की है कि आस्था की पवित्रता बनी रहे, कानून का सम्मान हो और किसी भी प्रकार की अराजकता को धर्म के नाम पर संरक्षण न मिले। तभी कांवड़ यात्रा अपनी वास्तविक पहचान—भक्ति, सेवा और सद्भाव—के साथ आगे बढ़ सकेगी।

जेन-जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर?

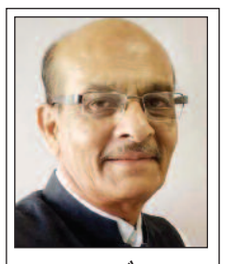

सनत जैन

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है।

न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दो तरह के फैसले और दो तरह के कानून को लेकर जो धारणा बनी है उसको लेकर अब देश भर में न्यायपालिका के प्रति भी आक्रोश देखने को मिलने लगा है। न्यायपालिका के प्रति पहले जो विश्वास राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच में देखने को मिलता था अब वह देखने को नहीं मिल रहा है। सरकार भी बार-बार कहती है, यदि सरकार का फैसला पसंद नहीं है तो कोर्ट चले जाओ, कोर्ट से वही फैसला आता है जो सरकार का बचाव करता है। कई राज्य सरकारों को केवल इसलिए गिरा दिया गया कि उनका फैसला समय पर नहीं हुआ। कई मामले आज भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं। बहरहाल जिस तरह से न्यायपालिका के पूर्व जजों और न्यायपालिका के वर्तमान जजों द्वारा कॉलेजियम और सरकार को आईना दिखाया जा रहा है, तुरंत इस पर पारिदर्शिता के साथ कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही कहा जा सकता है।

चंदा चोरी पर घिर रही थी भाजपा, विपक्ष ने भगवा लाकर खुद के पैर पर मार ली कुल्हाड़ी

दिलीप कुमार पाठक

राजनीति में एक बहुत पुरानी कहावत है कि जब आपका विरोधी खुद गलती कर रहा हो, तो उसके रास्ते में कभी नहीं आना चाहिए। लेकिन विपक्ष के सलाहकारों को शायद यह बुनियादी बात समझ नहीं आती। वे अक्सर विरोधी के पैर पर कुल्हाड़ी मारने का इंतजार नहीं करते, बल्कि खुद ही कुल्हाड़ी उठाकर अपने पैर पर मार लेते हैं। शुक्रवार की घटना को ही देख लीजिए। एक तरफ चंदा चोरी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष पूरी तरह बैकफुट पर था। जनता के बीच गंभीर सवाल तैर रहे थे और सरकार के पास कोई साफ जवाब नहीं था। यह एक ऐसा बना-बनाया मुद्दा था, जिसे विपक्ष आसानी से अपने पक्ष में भुना सकता था। लेकिन ठीक इसी मोड़ पर विपक्ष के किसी परम ज्ञानी रणनीतिकार ने अपना दिमाग चलाया। उन्होंने चंदा चोरी के एक ड्रामे में भगवा कपड़े पहने एक संत को चोर के रूप में पेश कर दिया। नतीजा क्या हुआ? जो मुद्दा उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना नहीं था।

यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल किया हो। असल समस्या यह है कि विपक्ष के रणनीतिकारों को जमीन का कोई ज्ञान ही नहीं है। वे वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को ही पूरे देश का मूड मान लेते हैं। राजनीति हमेशा एक नैरेटिव से चलती है। लेकिन विपक्ष हर बार उसी पिच पर खेलने चला जाता है जिसे भाजपा ने उनके लिए तैयार किया है। विपक्ष को यह बात गाँठ बाँध लेनी चाहिए कि वे हिंदुत्व की पिच पर भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर सकते। वह उनकी अपनी पिच है और वहां उनका मुकाबला करने का मतलब है सीधे क्लीन बोल्ड होना। विपक्ष के पास मुद्दों की कभी कोई के बजाय किसी सांस्कृतिक या धार्मिक विवाद में कूद पड़ता है। जब जनता महंगाई से त्रस्त होती है, तब विपक्ष के कुछ नेता संसद से लेकर सड़क तक भगवान, धर्मग्रंथों या आस्था से जुड़ी चीजों पर ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं जिससे पूरी बहस का रुख ही मुड़ जाता है। नतीजा यह होता है कि जो जनता सुबह सरकार की आर्थिक नीतियों से नाराज थी, वह शाम तक अपनी आस्था के बचाव में खड़ी हो जाती है। जहां आपको सरकार की जवाबदेही तय करनी थी, वहां आपने पूरी बहुसंख्यक आबादी को ही रक्षात्मक मुद्रा में लाकर अपने खिलाफ खड़ा कर लिया।

विपक्ष को अब यह तय करना होगा कि उन्हें राजनीति करनी है या समाज सुधारक बनना है। आप एक साथ दोनों नावों पर सवारी नहीं कर सकते। जनता आज नौकरी, सड़क, पानी, अस्पताल और अपने बच्चों के भविष्य पर बात करना चाहती है। जब आप इन असली मुद्दों को छोड़कर धर्म या प्रतीकों की लड़ाई में उलझते हैं, तो आप सीधे तौर पर अपने विरोधी की मदद कर रहे होते हैं। राजनीति में टाइमिंग और लहजा ही सब कुछ होता है। यदि आपके पास सही मुद्दा है लेकिन आपका लहजा गलत है, तो वह मुद्दा पूरी तरह बेकार हो जाता है। अब समय आ गया है कि विपक्ष उन सलाहकारों को बाहर का रास्ता दिखाए जो जमीन से पूरी तरह कटे हुए हैं। राजनीति में जीतने के लिए जनता की नब्ज को पहचानना पड़ता है। अगर इतनी सी भी समझ नहीं है, तो बेहतर होगा कि वे आम जनता या

सावनः शिव भक्ति, श्रद्धा और साधना का पावन पर्व

सुनील कुमार महला

शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार—तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं।

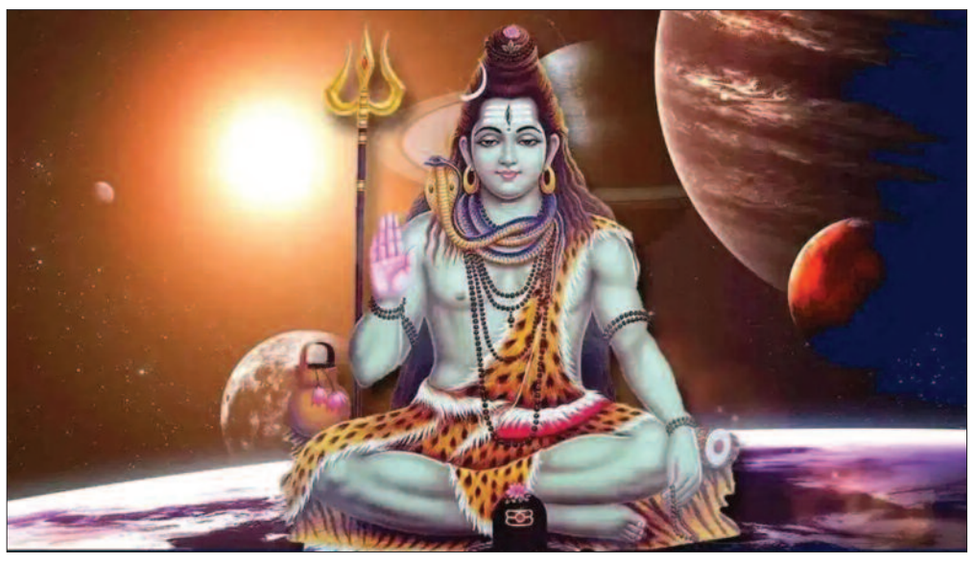

तीन अगस्त को श्रावण मास का पहला सोमवार है। श्रावण मास भगवान शिव की उपासना/आराधना और व्रत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।श्रद्धालु व्रत-उपवास, पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक तथा कांवड़ यात्रा के माध्यम से भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि सावन/श्रावण मास भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्रकृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।सावन का महीना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। वर्षा ऋतु में धरती हर तरफ हरियाली से आच्छादित हो जाती है, नदियाँ और जलस्रोत भर जाते हैं तथा कृषि कार्य अपने चरम पर होता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इस समय वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रकृति के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। यह वह महीना है जब हमारे देश में स्थान-स्थान पर अनेक धार्मिक उत्सवों और मेलों का आयोजन होता है। ये उत्सव, मेले व सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। संयम, सात्विक आहार, आत्मानुशासन और सेवा-भाव जैसे जीवन-मूल्य भी इसी मास की विशेष पहचान है।शिव परम चेतना हैं। संस्कृत में शिव शब्द का अर्थ है- जो कल्याणकारी हैं, मंगलकारी हैं, शुभ हैं, और हितकारी हैं। वास्तव में, शिव शांति और अद्वैत (एकत्व) का स्वरूप हैं। इसीलिए संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-शिवं शान्तमद्वैतम्।

शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार—तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं। शिव योग विज्ञान के प्रथम गुरु हैं। ये शिव ही हैं, जिन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया।मान्यता है कि कांतिसरोवर (केदारनाथ के पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या यूं कहें कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव असीम संभावनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं। शिव पूर्ण मौन, ध्यान और साक्षीभाव के प्रतीक हैं। उनका तांडव जीवन की ऊर्जा और परिवर्तन का प्रतीक है। वे संसार से भागने वाले नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए पूर्ण जागरूकता का संदेश देते हैं।शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, कल्याण, मौन, योग और आत्मबोध के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे देवों के देव- महादेव हैं।भक्ति परंपरा उन्हें महादेव और परमेश्वर मानती है। वहीं पर योग परंपरा उन्हें आदियोगी मानती है। दार्शनिक परंपरा उन्हें परम चेतना या ब्रह्म का प्रतीक मानती है। शिव स्वयंभू (जो स्वयं प्रकट हुए हों) हैं।

हम सभी यह जानते हैं कि सावन में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, लेकिन यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर सावन मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक क्यों होता है ? तो यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सावन के महीने में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें से महाविनाशकारी हलाहल विष निकला था। कहते हैं कि जब महादेव ने सृष्टि की रक्षा के लिए इस विष को अपने कंठ में धारण किया, तो उनके शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया और कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की ज्वाला और ताप को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव को जल और औषधियां अर्पित कीं। वास्तव में,सावन की वर्षा और जल चढ़ाने की परंपरा इसी घटना से जुड़ी है ताकि महादेव के शरीर को शीतलता मिले। सावन का महीना रुद्र रूप के उस पक्ष को दर्शाता है जो संहार के बाद पुनर्गठन और नवजीवन लाता है। शास्त्रों के अनुसार, भीषण गर्मी से जब हमारी पृथ्वी तप रही होती है,तो सावन में जब शिवजी जल ग्रहण करते हैं, तो वे प्रसन्न होकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में अपनी कृपा बरसाते हैं।वायु पुराण के अनुसार, सावन के दौरान जल की हर बूंद में रुद्र का अंश माना जाता है, जो प्रकृति का पुनर्जन्म करता है।यह भी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव ही सृष्टि का भार संभालते हैं, जैसा कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा (क्षीरसागर) में चले जाते हैं। सावन के महीने में महादेव पृथ्वी लोक के सबसे करीब होते हैं और अपने भक्तों की पुकार तुरंत सुनते हैं। सावन मास में भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया जाता है। दरअसल ,बेलपत्र का त्रिकोण और वैज्ञानिक पहलू है। बेलपत्र के तीन पत्ते शिवजी के तीन नेत्रों, तीन गुणों (सत्व, रज, तम) और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) का प्रतीक हैं। बेलपत्र में प्राकृतिक रूप से विषैले तत्वों को सोखने और शीतलता प्रदान करने के गुण होते हैं। यही कारण है कि विष के प्रभाव को कम करने के लिए जल के साथ-साथ बेलपत्र भी अर्पित किया गया था। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि लोग सावन के सोमवार को केवल एक वार मानकर व्रत रखते हैं, लेकिन सोम का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। सोम का मतलब है चन्द्रमा और हम सभी जानते हैं कि भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं, जो मन की शांति और शीतलता का प्रतीक हैं।सावन मास में कांवड़ यात्रा का भी विशेष महत्व माना गया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि पहली कांवड़ यात्रा भगवान परशुराम जी ने की थी। उन्होंने पहली बार कांवड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिवजी का अभिषेक किया था। एक अन्य कथा के अनुसार, लंकापति रावण (जो शिवजी का महान भक्त था) ने समुद्र मंथन के विष से पीड़ित शिवजी को राहत देने के लिए पुरा महादेव (गढ़मुक्तेश्वर/बागपत) में कांवड़ से गंगाजल लाकर चढ़ाया था।

अंत में यही कहूंगा कि सावन केवल धार्मिक रीती-रिवाजों का महीना नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, भक्ति और स्वयं के भीतर की ऊर्जा को संतुलित करने का एक सूक्ष्म आध्यात्मिक विज्ञान है।सावन का महीना आत्मशुद्धि, संयम, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण का भी संदेश देता है। सावन हमें सिखाता है कि शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ सत्य, करुणा, सेवा, धैर्य और आत्मसंयम को जीवन में अपनाना है। यदि हम इन मूल्यों को अपने आचरण का हिस्सा बना लें, तो यही सावन का सबसे बड़ा फल और भगवान शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला : कीव पर बरसाई मिसाइलें और ड्रोन, तीन की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने टेलीग्राम पर बताया कि सोलोमियांस्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। इमारत के भीतर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, इमारत के आंगन में आग भी लग गई। क्लिचको ने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले की एक अन्य रिहायशी इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का हिस्सा ढह गया। यहां भी लोगों के फंसे होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि राजधानी के डारनित्स्की जिले में गोदामों में भी आग लग गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब दो दिन पहले ही रूस ने पूरे यूक्रेन में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया था। उस हमले में 10 नागरिकों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। वहीं, रूस की एक मिसाइल पोलैंड के हवाई क्षेत्र में भी प्रवेश कर गई थी।

एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को न्योता देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह 2027 में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए भारत को न्योता भेजेगा। पाकिस्तान का कहना है कि शिखर सम्मेलन के मेजबान के तौर पर सभी सदस्य देशों को न्योता देना उसकी जिम्मेदारी है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या 2027 के एससीओ समिट के मेजबान के नाते पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समिट के लिए न्योता दिया जाएगा। अंद्राबी ने कहा, हां, शंघाई सहयोग संगठन के सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को न्योता दिया जाएगा, अगर वे सरकार प्रमुख के स्तर पर शामिल होना चाहें। न्योता भेजा जाएगा क्योंकि मेजबान के तौर पर यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। हम समिट मीटिंग के लिए सभी राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों को न्योता देंगे। एससीओ की शिखर बैठकराष्ट्रपति स्तर पर होती है। एससीओ समिट और सरकार के प्रमुखों की बैठकों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बारी-बारी से हिस्सा लेते हैं।

10 मेंबर्स के साथ ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे ; 4 शव बरामद, रेस्क्यू जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा पाकिस्तान में हिमस्खलन यानी एवलांच की चपेट में आने के बाद लापता हो गए हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंचे ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पुर्जा के साथ 9 मेंबर थे। शिखर पर चढ़ने की कोशिश के दौरान बर्फीले तूफान ने 10 सदस्यीय टीम को अपनी चपेट में ले लिया। लापता होने वालों में नेपाल के 6, पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल है। इनमें से 4 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। एवरेस्ट क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक निर्मल पुर्जा के जीपीएस ट्रैकर में हल्की हलचल देखी गई है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि यह तकनीकी खराबी भी हो सकती है। ट्रैकिंग डेटा के अनुसार गुरुवार सुबह 9:38 बजे पुर्जा 6,659 मीटर की ऊंचाई पर थे। इसके बाद सुबह 10:18 बजे 800 मीटर की तेजी से गिरावट दर्ज की गई, जो एवलांच के समय से मेल खाती है। नेपाल पर्वतारोहण संघ के पूर्व अध्यक्ष आंग शेरिंग शेरपा ने बताया कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर पहाड़ी इलाके में उतर नहीं पा रहे हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि वे पाकिस्तान में स्थित नेपाली दूतावास के जरिए पाकिस्तानी सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। और पर्वतारोहियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के उपाध्यक्ष करार हैदरी ने बताया कि हिमस्खलन के बाद से पूरी टीम से संपर्क टूट गया है। क्लब ने कहा कि वे सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर हर संभव संसाधन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में 3 महीनों में 74 लोगों की हत्या, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अप्रैल से जून 2026 के बीच हिंसा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मानवाधिकार संगठन अधिकार की ताजा रिपोर्ट ने गंभीर चिंताएं जताई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस तीन महीने की अवधि में भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में कुल 74 लोगों की मौत हुई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। संगठन का कहना है कि भीड़ द्वारा की गई अधिकांश हत्याएं चोरी, डकैती या धार्मिक भावनाएं आहत करने के संदेह में की गईं, जो न्याय व्यवस्था पर लोगों के घटते भरोसे की ओर संकेत करती हैं।

रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के भीतर गुटबाजी, जबरन वसूली और क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर बढ़ते संघर्षों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ अपराध, कथित न्यायेतर हत्याएं, जेलों में क्षमता से दोगुने कैदियों की मौजूदगी और पत्रकारों पर हमलों को भी प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने रखा गया है। मानवाधिकार संगठन ने सरकार से स्वतंत्र जांच, जवाबदेही तय करने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग की है ताकि हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

भीड़ हिंसा पर गंभीर चिंता : रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़ द्वारा मारे गए अधिकांश लोगों पर चोरी या डकैती का संदेह था। कुछ लोगों की हत्या गांवों में

होने वाली अनौपचारिक पंचायतों (सलिश) के दौरान या धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में की गई। संगठन ने कहा कि यह स्थिति कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर लोगों के घटते भरोसे को दर्शाती है, जिसके कारण लोग खुद कानून हाथ में ले रहे हैं।

राजनीतिक गुटबाजी बनी वजह : वहीं रिपोर्ट में आगे बताया गया कि इस अवधि में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के भीतर आपसी संघर्ष की 57 घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) में दो घटनाएं सामने आईं। बीएनपी की अंदरूनी गुटबाजी में चार लोगों की मौत हुई और 400 लोग घायल हुए, जबकि एनसीपी के आंतरिक संघर्ष में 16 लोग घायल हुए। बीएनपी के भीतर विवाद जबरन वसूली, क्षेत्रीय वर्चस्व, खुदाई की मिट्टी की बिक्री, स्थानीय चुनाव टिकट, पार्टी सम्मेलन और राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर थे। कई घटनाओं में आग्नेयास्त्र और अन्य घातक हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया।

तीन महीने में 74 मौतें : मानवाधिकार संगठन ने आरोप लगाया कि बीएनपी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जबरन वसूली, जमीन कब्जाने, अपहरण, दुष्कर्म, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों पर हमले, पुलिस के काम में बाधा डालने और राजनीतिक विरोधियों पर हमले जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। बांग्लादेश के मानवाधिकार संगठन 'अधिकार' की तिमाही रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2026 के दौरान भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में 74 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध, जेलों में भीड़भाड़ और पत्रकारों पर हमलों को भी गंभीर चिंता का विषय बताया गया। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर भी चिंता जताई गई है। अप्रैल-जून के दौरान 255 दुष्कर्म पीड़ितों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिनमें 93 महिलाएं और 161 लड़कियां शामिल थीं। संगठन ने कहा कि डीएनए जांच की सीमित सुविधा, मेडिकल रिपोर्ट में देरी, पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा का अभाव तथा अदालतों में लंबित मामलों के कारण दुष्कर्म पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। बता दें कि रिपोर्ट में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तीन न्यायेतर हत्याओं (एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग) का भी उल्लेख किया गया है। इनमें एक व्यक्ति की कथित तौर पर डिटेक्टिव ब्रांच की हिरासत में यातना से मौत, एक व्यक्ति की मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग की कार्रवाई के दौरान पिटाई से मौत और एक मछुआरे की वन विभाग की गश्ती टीम द्वारा गोली मारकर हत्या शामिल है। रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार, 17 मई तक बांग्लादेश की 75 जेलों में उनकी क्षमता 43,157 के मुकाबले 85,000 से अधिक कैदी बंद थे। इस दौरान बीमारी के कारण 16 कैदियों की मौत हुई। संगठन ने जेलों में भीड़भाड़, अपर्याप्त भोजन और डॉक्टरों की कमी को गंभीर समस्या बताया। मानवाधिकार संगठन ने यह भी कहा कि इस अवधि में पत्रकारों पर हमलों की कई घटनाएं हुईं। 17 पत्रकार घायल, पांच के साथ मारपीट, चार पर हमले और सात को धमकियां दी गईं।

स्यूटा माइग्रेशन संकट: इटली के बाद फ्रांस ने भी स्पेन के साथ बॉर्डर कंट्रोल किया सख्त

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मोरक्को के उत्तर में स्थित स्पेनिश इलाके स्यूटा में बड़ी संख्या में माइग्रेंट्स आने के बाद फ्रांस ने स्पेन के साथ सीमा नियंत्रण बढ़ा दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सेउटा में शेंगेन क्षेत्र की तरह मुक्त आवागमन की सुविधा नहीं है। हालांकि, मैंने कल गृह मंत्री से कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो स्पेन से लगी हमारी सीमा पर नियंत्रण और कड़ा किया जाए। इसके लिए चार मोबाइल पुलिस इकाइयां, एक विमान और ड्रोन तैनात किए गए हैं।' स्यूटा के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में करीब 60,000 माइग्रेंट्स जमीन और समुद्र के रास्ते से गैर-कानूनी तरीके से स्यूटा में घुसे हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्पैनिश डेली एल पेस के हवाले से बताया कि तैरकर इलाके में पहुंचने की कोशिश करते समय 57 माइग्रेंट्स की मौत हो गई।

स्पेनिश सरकार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तक, करीब 48,000 माइग्रेंट्स मोरक्को लौटने के लिए स्पैनिश इलाके को छोड़ चुके थे।

इस बीच, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार शाम को कहा कि रोम इटली की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। पीएम मेलोनी के इस फैसले में स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है।

पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में जोर देकर कहा, 'स्यूटा से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं और एक बार फिर दिखाती हैं कि बिना कंट्रोल वाला गैर-कानूनी इमिग्रेशन यूरोप के बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक पक्का खतरा है। मैंने गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी से बात की है। इटली चुपचाप खड़ा होकर नहीं देखेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम संबंधित विभाग को बुला रहे हैं, और इन बैठकों के बाद हम सीमा की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खास कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जिसमें स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। गैर-कानूनी इमिग्रेशन पर हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। सीमा की रक्षा करना, मानव तस्करी को रोकना और प्रभावी तरीके से लोगों को वापस लाना इस सरकार की लाइन बनी रहेगी।

इटली के डिप्टी पीएम एंटोनियो तजानी ने भी ऐसी ही अपील की। तजानी ने स्पेन सरकार के 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पैनिश और यूरोपीय नागरिकता देने के फैसले को बहुत गलत बताया और स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने का सपोर्ट किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने के पक्ष में हूं, और मुझे मंत्री पियांटेडोसी पर पूरा भरोसा है। अनियमित और अनियंत्रित इमिग्रेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सेउटा से आ रही तस्वीरें दिखाती हैं कि मैड्रिड सरकार का 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पेनिश और, इसलिए यूरोपीय नागरिकता देने का फैसला कितना गलत है और मानव तस्करी को बढ़ावा देता है।

मॉस्को के रेस्टोरेंट के बाहर बम धमाका, 3 की मौत, 21 घायल

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम एक निजी कार्यक्रम के दौरान हुए बम धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। शहर के व्यस्त इलाके में स्थित बाल्जी रसोई रेस्टोरेंट के बाहर हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में वह महिला भी शामिल बताई जा रही है, जो कथित तौर पर एक गिफ्ट बॉक्स लेकर रेस्टोरेंट पहुंची थी। यह धमाका मॉस्को के कुद्रिन्स्काया स्क्वायर स्थित रेस्टोरेंट के प्रवेश द्वार के पास हुआ। घटना के समय रेस्टोरेंट आम ग्राहकों के लिए बंद था और वहां एक निजी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। यह इलाका मॉस्को के प्रमुख और संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। शुरुआती जांच के अनुसार, महिला एक कूरियर की तरह गिफ्ट बॉक्स लेकर वहां पहुंची थी। सुरक्षा गार्ड को पैकेट पर शक हुआ और वह उसकी जांच करने लगा। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि धमाका रिमोट कंट्रोल से कराया गया हो सकता है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक विस्फोटक में करीब एक किलोग्राम टीएनटी के बराबर सामग्री थी। इसमें धातु की छोटी-छोटी गोलियां भी शामिल थीं, ताकि विस्फोट के दौरान ज्यादा नुकसान हो सके। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले के पीछे कौन है और इसका उद्देश्य क्या था। जांच एजेंसियां महिला की भूमिका की भी जांच कर रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि संभव है कि महिला को खुद इस बात की जानकारी न हो कि जिस पैकेट को वह पहुंचाने आई थी, उसमें विस्फोटक मौजूद था। अधिकारियों का मानना है कि असली निशाना रेस्टोरेंट में चल रहा निजी कार्यक्रम हो सकता है, जिसमें कई विशेष मेहमान शामिल थे। विस्फोट के बाद पूरे इलाके को तुरंत घेर लिया गया। पुलिस, फोरेंसिक विशेषज्ञ और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने मामले की जांच तेज कर दी है। फिलहाल किसी आतंकी संगठन या संदिग्ध व्यक्ति का नाम सामने नहीं आया है। सुरक्षा एजेंसियां घटनास्थल से मिले सबूतों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धमाके की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हैं।

रूस के हमले में 9 की मौत, जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी, बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो

कीव (एजेंसी)। रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे। इनमें से यूक्रेन केवल एक बैलिस्टिक मिसाइल को ही रोक सका, क्योंकि पैट्रियट सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप जानते हैं कि हमें क्या चाहिए। अब

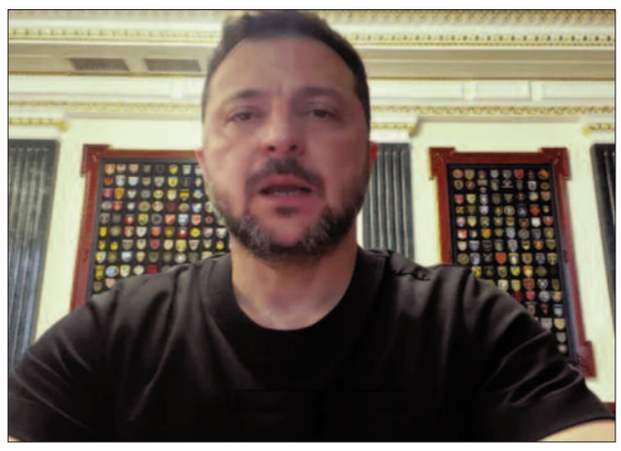

केवल राजनीतिक फैसला लेने की जरूरत है। बैलिस्टिक रोधी मिसाइलें लोगों की रक्षा करें, गोदामों में न पड़ी रहें। हर दिन की देरी रूस को हमारे लोगों की जान लेने का एक और मौका देती है।

रूस नई रणनीति अपना रहा, नए प्रतिबंध लगाएं

जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जेट इंजन से लैस शाहेद ड्रोन का अधिक इस्तेमाल कर रहा है और युद्ध लंबा खिंचने का फायदा उठाकर नई हमलावर रणनीतियां विकसित कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से रूस के मिसाइल, लॉन्चर और हथियार उद्योग से जुड़े लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की भी अपील की। साथ ही कहा कि रूस के तेल शोधन ओर ईंधन क्षेत्र को मिलने वाली मदद रोकना भी जरूरी है, ताकि उसकी युद्ध क्षमता कमजोर हो सके।

सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि हमले में कीव स्थित यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठानों और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निशाना बनाया गया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि हमले में रिहायशी इलाके और नागरिक भी प्रभावित हुए। जेलेंस्की ने रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अमेरिका के साथ होने वाली आगामी कूटनीतिक बातचीत की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यूक्रेन को हथियारों और वायु रक्षा प्रणाली को लेकर सहयोगी देशों से ठोस समर्थन मिलेगा।

घरों में लूटपाट, सड़कों पर आगजनी... कैसे सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला पड़ा भारी? प्रवासी हिंसा से दहल उठा स्पेन

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप के देश स्पेन में इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र सेउटा में मोरक्को से लगभग 60,000 अवैध प्रवासियों की भारी भीड़ ने अचानक घुसपैठ कर दी है। समुद्र के रास्ते तैरकर और छोटी नावों के जरिए आए इन प्रवासियों ने सेउटा की सड़कों पर जमकर उत्पाद मचाया है, जिससे समूचे यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस दौरान हुई हिंसा, भगदड़ और समुद्र में डूबने की घटनाओं में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने खोली घुसपैठ की राह : इस संकट के पीछे स्पेन की सुप्रीम कोर्ट का एक हालिया कानूनी फैसला मुख्य कारण बताया जा रहा है।

दरअसल, कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि समुद्र के रास्ते स्पेन की सीमा में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता। इस कानूनी खामी का फायदा उठाकर हजारों की संख्या में युवा और बच्चे समुद्र के रास्ते सेउटा और मेलिला के तटों पर पहुंच गए। सेउटा के राष्ट्रपति जुआन जीसस विवा्स ने इसे एक बड़ा 'मानवीय और सामाजिक आपातकाल' घोषित किया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सेउटा की सड़कों पर अराजकता का माहौल है। भूख से बेहाल प्रवासियों की भीड़ जबरन लोगों के घरों और दुकानों में घुस रही है। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया और इमारतों की खिड़कियां तोड़कर अंदर दाखिल होने की कोशिश की। स्थिति को संभालने के लिए स्पेन सरकार ने सेना और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं, लेकिन भीड़ इतनी अधिक है कि सुरक्षाकर्मी खुद को बेबस महसूस कर रहे हैं। स्पेन के इस संकट ने पड़ोसी यूरोपीय देशों की भी नींद उड़ा दी है। चूंकि स्पेन यूरोपीय संघ का हिस्सा है, इसलिए वहां से प्रवासियों के अन्य देशों में फैलने का खतरा बढ़ गया है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने इसे यूरोप की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा बताया है और संकेत दिए हैं।

श्रीलंका ईस्टर धमाकों पर बड़ा फैसला, अदालत ने कौन से बड़े अधिकारियों को ठहराया दोषी?

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में 2019 के ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें पहले से मिली खुफिया चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं करने का दोषी माना। अदालत ने अपने फैसले में क्या कहा और यह मामला फिर कैसे खुला? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं... श्रीलंका के 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए देश के पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के तत्कालीन शीर्ष नौकरशाह हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों को पहले से मिली खुफिया जानकारी पर कार्रवाई नहीं करने और अपने कर्तव्य में आपराधिक लापरवाही बरतने का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि समय रहते कार्रवाई होती तो इस बड़े हमले को रोका जा सकता था।

ईस्टर संडे हमले में क्या हुआ था : 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर संडे के दिन श्रीलंका में चर्चों और लग्जरी होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 279 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 45 विदेशी नागरिक भी शामिल थे। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। यह श्रीलंका के इतिहास के सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक माना जाता है। जांच में सामने आया था कि हमले से पहले भारत की एजेंसियों ने संभावित हमले को लेकर खुफिया सूचना दी थी।

अदालत ने दोनों अधिकारियों को किस आधार पर दोषी माना : हाई कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति प्रियंथा लियानागे और न्यायमूर्ति थिलकरत्ने बंडारा ने बहुमत के फैसले में कहा कि खुफिया जानकारी पर लापरवाही बरतने के कारण 268 लोगों की जान गई और 586 लोग घायल हुए। अदालत ने कहा कि तत्कालीन पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे। अदालत ने दोनों अधिकारियों को आपराधिक लापरवाही का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई। हालांकि, पीठ के तीसरे सदस्य न्यायमूर्ति विराज वीरसूर्या ने असहमति जताते हुए दोनों को बरी करने का मत दिया।

यह मामला दोबारा अदालत तक कैसे पहुंचा : पुजित जयसुंदरा और हेमासिरी फर्नांडो को 2019 में गिरफ्तार किया गया था। दोनों चार महीने तक हिरासत में रहे और बाद में जमानत पर रिहा हुए। नवंबर 2021 में उन पर भारतीय एजेंसियों से मिली खुफिया चेतावनी के बावजूद कार्रवाई नहीं करने के आरोप में अभियोग तय किए गए। हालांकि फरवरी 2022 में हाई कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया था और उनके खिलाफ लगाए गए सभी 855 आरोप खारिज कर दिए थे। बाद में अटॉर्नी जनरल ने इस फैसले को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि पिछली सुनवाई में बचाव पक्ष का कोई गवाह पेश नहीं हुआ था। इसके बाद नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की फिर से सुनवाई शुरू हुई।

तत्कालीन सरकार पर क्या आरोप लगे : हमलों के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सरकार पर भी गंभीर सवाल उठे थे। आरोप था कि भारत से पहले ही हमले की चेतावनी मिलने के बावजूद सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए। अदालत के फैसले के बाद पुजित जयसुंदरा श्रीलंका पुलिस के 150 से अधिक वर्षों के इतिहास में ऐसे सबसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें मुकदमे के बाद मौत की सजा सुनाई गई है।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान' नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है।

क्या है इस समूह का एजेंडा: इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है - पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है।

क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है : कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग-अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा : हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली

राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

क्या राजनीतिक बदलाव ला पाएगा समूह : हालांकि, सोशल मीडिया पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस आंदोलन के वास्तविक जनसमर्थन, संगठन की ताकत और ऑनलाइन समर्थन को एक बड़े राजनीतिक प्रभाव में बदलने की क्षमता पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ रही ऐसी नाराजगी : ऐसे समूहों का सामने आना पाकिस्तान में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और शासन से जुड़ी परेशानियों के प्रति लोगों की नाराजगी को भी दिखाता है। पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि नागरिक मामलों में बार-बार सैन्य दखल से लोकतांत्रिक संस्थाएं और जवाबदेही कमजोर हुई है।

आलोचकों ने सेना प्रमुख असीम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और व्यापक नागरिक-सैन्य व्यवस्था पर आरोप लगाया है कि वे महंगाई, बेरोजगारी, शासन की कमियों और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं। उनका कहना है कि इससे सत्ता कुछ मजबूत राजनीतिक और संस्थागत समूहों के हाथों में बनी हुई है। इस समूह के सामने आने के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे हैं- अब एक नौजवान को आप कुछ भी कह सकते हैं, सिर्फ एक नौजवान या फिर कॉकरोच या फिर कुछ और। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर ये कॉकरोच एकजुट हो गए तो ये सबकुछ उलट-पुलट कर देंगे। नवकी ने पाकिस्तान आर्थिक सम्मेलन में कहा, हम वर्तमान में जिस व्यवस्था में रह रहे हैं, वो पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

अब इस व्यवस्था में रहते हुए समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब जब तक बड़े सुधार नहीं होंगे, पाकिस्तान उन्हीं मुद्दों पर चर्चा करता रह जाएगा, जिस पर वो एक दशक पहले भी चर्चा करता था। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के लोग भी ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं, जहां उन्हें समान अवसर मिले, जहां उनकी मेहनत का सम्मान हो। नकवी के मुताबिक, पाकिस्तान को अब ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां पर स्थानीय सरकारों को ज्यादा ताकत दी जाए।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**

भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**

वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**

शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**

वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**

शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- .**शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम : शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू स :। ऊं भू : भुव : स्व :। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व : भुव : भू : ऊं। स : जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश : स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन : सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत : यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत : शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

भूस्खलन से प्रभावित हुई बस सेवा

कर्णप्रयाग। लगातार हो रही बारिश से सड़कों की हालात खराब है। खास तौर से कर्णप्रयाग से नौटी को जोड़ने वाले स्टेट हाईवे पर लगातार मलबा गिर रहा है। ऐसे में सड़क पर सफर जोखिमभरा हो रहा है। इस कारण यहां बीते चार दिनों से परिवहन निगम की बस सेवा भी नहीं जा पा रही है। कई बार बस को कर्णप्रयाग में रुकना पड़ रहा है। बारिश से नौटी स्टेट हाईवे पर चौंडली में भारी भूस्खलन से सड़क बदहाल हो गई है। इसके अलावा कोली और पुडियाणी में सड़क रविवार सुबह बंद रही जबकि कनोठ में स्कपर के कारण सड़क संकरी हो गई है। बारिश और भूस्खलन के कारण सड़क खराब होने से देहरादून से नौटी, देवलकोट रूटी की परिवहन निगम की बस सेवा भी प्रभावित हुई है। नौटी गांव निवासी और पूर्व कनिष्ठ उपप्रमुख सुभाष रावत ने कहा कि सड़क की हालात दयनीय है और यहां सफर जोखिमभरा बना है। सड़क की खराब हालत के कारण कई बार नौटी देवलकोट की बस सेवा देहरादून से कर्णप्रयाग तक ही आ रही है। वहीं लोनिवि के ईई सुनील कुमार ने बताया कि सड़क पर कई जगह भूस्खलन हुआ है। ऐसे में मलबा जल्द हटाया जा रहा है। बस सेवा प्रभावित होने की उनके पास कोई सूचना नहीं है।

सिमली–डिम्मर सड़क खारीगाड़ में ध्वस्त

कर्णप्रयाग। शनिवार रात को हुई बारिश से सिमली–डिम्मर सड़क खारीगाड़ गदेरे में ध्वस्त हो गई है। यहां करीब दस से पंद्रह मीटर सड़क गदेरे के उफान पर बह गई। दोपहर तक इस ग्रामीण सड़क पर यातायात बंद रहने के बाद पीएमजीसवाई ने गदेरे पर वैकल्पिक मार्ग तैयार कर यातायात सुचारू किया। वहीं सिमली रोड पर बारिश से लगातार पहाड़ी से पत्थर गिर रहे हैं। इससे यहां पैदल आवागमन भी जोखिम भरा हो रहा है।

युवा राष्ट्र निर्माण में लगाएं अपनी ऊर्जा

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से देशव्यापी कार्यक्रम में पीएम मोदी के संवाद को युवाओं ने वर्चुअली सुना।

युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक रूप से राष्ट्र निर्माण में लगाना और नशे जैसी समस्याओं को समाप्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम के तहत पीएम के संवाद को पीजी कॉलेज में देखा व सुना गया। वही पीजी कॉलेज में मुख्य अतिथि ब्रह्म कुमारी संस्था की किरण ने युवाओं को शांत चित होने का क्या महत्व है इसको विस्तार से बताया साथ ही योगाभ्यास भी कराया। प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहते हुए उन्हें अपनी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना चाहिए। एंटी ड्रग सेल प्रभारी डॉ. राजेश कुमार चंद्रियाल ने नशामुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस, रेंजर रोवर्स, नमामि गंगे एवं रेडक्रास के स्वयंसेवियों ने प्रतिभाग किया।

पौधरोपण अभियान चलाया

गोपेश्वर। पर्यावरण संरक्षण और हरित उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से नेह ट्रस्ट फाउंडेशन और केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में गोपेश्वर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रघुबीर बिष्ट ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव हैं। फाउंडेशन से जुड़े लोगों ने पौधों की सुरक्षा, जंगलों को आग से बचाने, वन संरक्षण तथा नशा मुक्ति का संकल्प लिया। इस मौके पर फाउंडेशन के निदेशक सुनील पुंडीर, डॉ. भगत सिंह राणा, मोहन नेगी, जितेंद्र सिंह प्रकाश, सुशीला सेमवाल, चंद्रकला बिष्ट, कार्तिक तिवारी, कुंवर सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बौराड़ी में युवाओं ने बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य रुकवाया

नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में युवाओं ने बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य रुकवा दिया। उन्होंने प्रशासन पर खिलाड़ियों और स्थानीय युवाओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। बौराड़ी स्टेडियम बचाओ संघर्ष समिति से जुड़े युवा खिलाड़ियों व लोगों का शिष्टमंडल इस मामले में आज सोमवार को डीएम से मिलेंगे।

संघर्ष समिति से जुड़े असद आलम ने कहा कि लघु सिंचाई विभाग खेल में रूचि रखने वाले स्थानीय युवाओं के विरोध के बाद भी बौराड़ी स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण करवा रहा है। समिति से जुड़े लोग पूर्व में जिलाधिकारी से स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट न बनने का अनुरोध किया है। उनका कहना था कि इससे स्टेडियम में खेलने की जगह कम हो जाएगी। इस पर डीएम ने समिति गठित कर बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण के लिए अन्य जगह भूमि तलाशने के निर्देश दिए थे लेकिन उसके बाद भी ठेकेदार बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य करवा रहा है। बताया कि रविवार को कुछ स्थानीय छात्र स्टेडियम में खेलने के लिए पहुंचे। उन्होंने देखा कि बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। युवाओं ने इसकी सूचना स्टेडियम बचाव समिति को दी। युवाओं समेत संघर्ष समिति के लोगों ने विरोध जताते हुए निर्माण कार्य को बंद करवाया। कहा कि बौराड़ी स्टेडियम जिला मुख्यालय का एक मात्र स्टेडियम है। इसकी लंबाई और चौड़ाई मानकों के अनुरूप न होने के कारण खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को कई प्रकार की परेशानी झेलनी पड़ती है। बताया नगर पालिका की ओर से स्टेडियम में करीब 71 लाख की लागत से बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण करवा जा रहा है जिसका शुरू से विरोध किया जा रहा है। बताया पूर्व में भी संघर्ष समिति की ओर से डीएम को ज्ञापन देकर बैडमिंटन कोर्ट को दूसरी जगह बनने की मांग की गई थी। कहा कि बैंडमिंटन कोर्ट का कार्य बंद नहीं होता है, तो आंदोलन किया जाएगा।

सेंट जोसेफ ने जीता मिनी फुटबाल का खिताब

नैनीताल। जिला क्रीड़ा संघ (डीएसए) नैनीताल की ओर से आयोजित मिनी फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सेंट जोसेफ स्कूल नैनीताल के नाम रहा। बेहद रोमांचक और कड़े खिताबी मुकाबले में सेंट जोसेफ ने सनवाल स्कूल को 3–1 के अंतर से शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हल्द्वानी के मेयर गजराज सिंह बिष्ट और स्थानीय विधायक सरिता आर्य उपस्थित रहीं। उन्होंने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया। मैच के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए मैदान पर डीएसए महासचिव मनोज जोशी, उपाध्यक्ष डीएसए बिष्ट, खीमराज देउपा, पवन खडायत, शैलेंद्र बर्गली, भूपेंद्र बिष्ट, धर्मेंद्र शर्मा, हरीश जोशी, जलज बर्मा, चन्द्र लाल साह, डॉ. मनोज बिष्ट, भगवत रावत, जीनू पांडे आदि मौजूद रहे।

चट्टान में मिली दरार का ट्रीटमेंट प्लान तैयार

हल्द्वानी। जमरानी बांध परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान चट्टान में मिले गैप (दरार) का ट्रीटमेंट प्लान तैयार कर लिया गया है। फिलहाल यह पता लगाया जाना है कि यह गैप चट्टान में कितने मीटर तक फैला हुआ है। इसके लिए जियोफिजिकल सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसकी रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग को भेज दी गई है।

जमरानी बांध परियोजना इकाई के उप महाप्रबंधक बीबी पांडेय ने बताया कि खोदाई के दौरान चट्टान में यह गैप सामने आया था। अभी यह पता लगाने के लिए जियो फिजिकल सर्वे कराया जा रहा है कि यह गैप चट्टान में कितनी गहराई और दूरी तक गया है। सर्वे की पूरी रिपोर्ट आने के बाद ही ट्रीटमेंट का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी टीम ने गैप के ट्रीटमेंट के लिए प्रारंभिक प्लान तैयार कर लिया है लेकिन काम शुरू करने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि गैप का विस्तार कितना है। इसी आधार पर ग्राउटिंग और अन्य सुदृढ़ीकरण का काम किया जाएगा ताकि बांध की मजबूती और सुरक्षा पर कोई असर न पड़े। डीजीएम पांडेय ने बताया कि इस संबंध में पूरी तकनीकी रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग को भेजी गई है। केंद्रीय जल आयोग के निर्देश और अनुमति मिलने के बाद ही आगे का ट्रीटमेंट कार्य शुरू होगा।

एसआईआर नोटिसों पर सुनवाई शुरू

हल्द्वानी। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एसआईआर के तहत जारी नोटिसों पर सुनवाई शुरू हो गई है। हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र में पहले दिन 14 अलग–अलग बूथों पर सुनवाई की गई। इन बूथों पर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) ने सुनवाई की।

सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी ने बताया कि पहले दिन लगभग 1500 से अधिक नोटिसों पर सुनवाई हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में मतदाता अपने आवेदन लेकर पहुंचे। वोटरों ने मतदाता सूची में नाम, उम्र और पता जैसी त्रुटियों को ठीक कराने के लिए फार्म भरे। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

कर्णप्रयाग के कांडा मैखुरा में भारी बारिश से ढहा मकान

चमोली। महिला घर की नीचे वाले हिस्से में सो रही थी। तड़के तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। खतरे का अहसास होते ही महिला घर से बाहर भागी। तभी घर का ऊपर का हिस्सा ढह गया।

कर्णप्रयाग क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ग्राम पंचायत कांडा मैखुरा में एक आवासीय भवन ढहने से हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि समय रहते सतर्कता बरतने से एक बड़ा हादसा होने से बच गया और परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए।

जानकारी के अनुसार, रात जानकी देवी पत्नी स्वर्गीय अनुसूया प्रसाद डिमरी अपने घर की भूतल पर सो रही थीं। तड़के लगभग चार बजे अचानक एक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। खतरे का अहसास होते ही जानकी देवी तुरंत भागकर मकान से बाहर आ गईं। उनके बाहर निकलते ही पूरा मकान देखते ही देखते ढह गया।

विधायकों की नाक की लड़ाई में अटका आयुष अस्पताल निर्माणः भट्ट

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के लामरीधार के खंडोगी (जेलम) में प्रस्तावित 50 बेड के आयुष अस्पताल का निर्माण लंबे समय बाद भी शुरू न होने से कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाए। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया आयुष अस्पताल का निर्माण वर्ष 2022 से अधर में है। कहा दो करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी धनराशि सुरक्षा दीवार के नाम पर खर्च कर अस्तपाल का कार्य पूर्व और वर्तमान विधायकों की नाक की लड़ाई के चलते ठप है। कहा कि सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई हुई है। जहां अस्पताल भवन है वहां डॉक्टर और उपकरणों का अभाव बना हुआ है। जहां भवन भवन है वहां डॉक्टरों के पद रिक्त चल रहे है। उन्होंने आयुष अस्पताल निर्माण न होने की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

नागरिक मंच मेडिकल कॉलेज के आंदोलन को देगा समर्थन : उनियाल

नई टिहरी। नागरिक मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मेडिकल कॉलेज के लिए चल रहे आंदोलन को समर्थन देने का निर्णय लिया है। दूसरी ओर, जिला बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मेडिकल कॉलेज की स्थापना जिला मुख्यालय क्षेत्र में करवाएं जाने की मांग उठाई है।

बौराड़ी सामुदायिक मिलन केंद्र में नागरिक मंच की बैठक अध्यक्ष सुंदरलाल उनियाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अध्यक्ष उनियाल ने कहा कि नागरिक मंच के रविवार को होने वाले दो वर्षीय चुनाव को मेडिकल कॉलेज के आंदोलन को देखते हुए सभी की सहमति के बाद स्थगित किया है। बताया सितंबर में मंच के चुनाव संपन्न करवाए जाएंगे। कहा कि मंच के लोग वर्ष 2008 से शहर में मेडिकल कॉलेज, रीह–घुतू पेयजल योजना का निर्माण, शहर के विकास के लिए हनुमंत राव कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की मांग कर रहे हैं लेकिन मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ाता जा रहा है। कहा कि मंच से जुड़े लोग मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए चलाए जा रहे आंदोलन को एकजुटता से पूर्ण समर्थन देंगे। बैठक में एकता मंच के संयोजक अनूप बिष्ट ने प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र को पांचवीं और छठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने से पहाड़ी क्षेत्रों को मिलने वाले फायदों के बारे में बताया।

देवता के नाम पर संचालित ट्रस्ट की जांच कराने की मांग

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के भाटगांव में ग्रामीणों ने श्री चंदनी नाग बोल्या राजा देवता ट्रस्ट के कामकाज और वित्तीय गतिविधियों की जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने डीएम और एसडीएम घनसाली को ज्ञापन भेजकर ट्रस्ट के गठन (वर्ष 2009) से अब तक के आय–व्यय, अभिलेखों, संपत्तियों और कार्यों की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रस्ट की वित्तीय गतिविधियों में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है।

उन्होंने देवता के नाम से प्राप्त धनराशि, उसके उपयोग, भूमि, आभूषण, पूजा–पाठ और श्रद्धालुओं से मिलने वाले चढ़ावे का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने ट्रस्ट की वर्ष 2019 और 2020 की वित्तीय विवरणी में दर्शाए गए यात्रा, भंडारा, पूजा–पाठ, मरम्मत, प्रशिक्षण, जागरूकता और छात्र सहायता जैसे खर्चों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने संबंधित रसीदें, लाभार्थियों की जानकारी और धनराशि के उपयोग से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की।ज्ञापन पर ग्राम प्रधान लज्जिता पैन्यूली, डॉ. महादेव सेमवाल, महेश सेमवाल, विजय सेमवाल, वीरेंद्र जोशी, मूर्ति राम जोशी, विलोचन और अजय सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि देवता से जुड़ी आस्था के कारण ट्रस्ट की सभी गतिविधियों में पारदर्शिता जरूरी है।

जंदोली गांव में भूस्खलन की जद में आए तीन घर और प्राथमिक स्कूल

घनसाली (टिहरी)। भिलंगना ब्लॉक के जंदोली तोक में रविवार तड़के हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन से तीन परिवारों के मकान और प्राथमिक विद्यालय प्रभावित हो गए। भूस्खलन से मकानों के आसपास भारी मलबा जमा हो गया और जमीन दरकने से गांव में अफरा–तफरी की स्थिति बन गई। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित तीन परिवारों को पंचायत भवन में सुरक्षित शिफ्ट कर दिया है।

वहीं, इन तीनों मकानों से लगे प्राथमिक विद्यालय के भवन में भी मलबा आने से नुकसान हुआ है। विद्यालय भवन प्रभावित होने से बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। इसी के साथ ही भूस्खलन के दौरान गांव की दो पेयजल लाइनें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। ग्राम प्रधान जितेंद्र थपलियाल की ओर से बताया गया कि भूस्खलन से बलवीर लाल, मुकंद लाल और संजय लाल के मकान प्रभावित हुए हैं। खतरे को देखते हुए तीनों परिवारों को पंचायत भवन में ठहराया गया है। उन्होंने बताया कि जंदोली तोक लंबे समय से भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है और गांव के करीब 25 परिवार पहले से ही खतरे की जद में हैं। ग्रामीणों की ओर से कई बार प्रशासन को इस स्थिति से अवगत कराया गया लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। प्रभावित ग्रामीण सविता देवी ने बताया कि रविवार सुबह करीब तीन बजे तेज बारिश के बाद अचानक घर के आगे का आंगन दरक गया। वहीं, पूनम ने बताया कि बारिश के कारण उनके घर के पीछे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया कि छोटे बच्चों के साथ जर्जर मकान में रहना मुश्किल हो गया है। वहीं, पूर्व प्रधान सोहन दास ने बताया कि गांव के विस्थापन के संबंध में विधायक शक्ति लाल शाह को भी पूर्व में प्रस्ताव दिया गया था लेकिन इस दिशा में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नरेश बीडीसी सदस्य संगठन के अध्यक्ष और गोविंद जिला महामंत्री बने

चंबा (टिहरी)। क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में बीडीसी सदस्यों को अधिक अधिकार देने और उनकी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य जिला संगठन का गठन किया गया, जिसमें प्रतापनगर ब्लॉक के खेतपाली से बीडीसी सदस्य नरेश नेगी को अध्यक्ष और गोविंद सिंह को महामंत्री चुना गया। चंबा ब्लॉक सभागार में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विपिन पंवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि बीडीसी सदस्यों के अधिकार सीमित होने से जनहित के कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने समस्याओं और अधिकारों की लड़ाई को प्रदेश स्तर तक मजबूत करने की बात कही। संगठन में अनीता भंडारी और गोपाल सिंह चौहान को उपाध्यक्ष, कमलेश दास को सचिव और पंकज सकलानी को कोषाध्यक्ष चुना गया। पदाधिकारियों ने मानदेय सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करने और जल्द जिला कार्यकारिणी का विस्तार करने की बात कही। बैठक में बिशन सिंह रांगड़, महावीर सेनवाल, कल्पना पंवार, गंभीर नेगी और प्रतापनगर अध्यक्ष मुलायम सिंह रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

सोनला में हाईवे पर जलभराव से आवाजाही प्रभावित

गोपेश्वर। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनला में जलभराव और सड़क पर बने गड्ढे के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व ग्राम प्रधान तेजवीर कंडेरी और विनोद रावत ने बताया कि एनएचआईडीसीएल की ओर से सड़क किनारे नाली का निर्माण नहीं किए जाने से बरसाती पानी हाईवे पर जमा हो रहा है। इससे दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने जल्द नाली निर्माण और सड़क की मरम्मत की मांग की है।

बांध प्रभावित परिवारों को जल्द मिलेगा मुआवजा का लाभः एडीएम

नैनबाग (टिहरी)। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने निर्माणाधीन सौंग बांध परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और मुआवजा वितरण की समीक्षा की। उन्होंने बांध परियोजना से प्रभावित परिवारों को मुआवजा वितरण जल्द करने, पुनर्वास की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। परियोजना से टिहरी जिले के सौंदणा, रगड़गांव व घुडसाल गांव और देहरादून जिले का प्लेड गांव प्रभावित हो रहा है। परियोजना की जद में 10.560 हेक्टेयर भूमि आ रही है। इसमें 30 खातेदारों के 76 परिवार पूर्ण रूप से और 107 खातेदारों के 268 परिवार आंशिक रूप से प्रभावित होंगे। इसके अलावा 61 आवासीय भवन और 33 गोशालाएं भी प्रभावित होंगी।

निरीक्षण के दौरान एडीएम नेगी ने बताया कि बांध परियोजना से पूर्ण रूप से प्रभावित गांवों के पुनर्वास संबंधी प्रस्ताव स्वीकृत हो चुके हैं। भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत प्रभावित परिवारों को किए गए मुआवाजा वितरण और पुनर्वास की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को मुआवजा और पुनर्वास से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने को कहा। किसी भी पात्र व्यक्ति को मुआवाजा व पुनर्वास के लाभ से वंचित न रखने के निर्देश दिए। परियोजना अधिकारियों ने बताया कि मालदेवता से बांध स्थल तक 10.50 किलोमीटर पहुंच मार्ग का निर्माण पूरा हो चुका है। बांध के ऊपरी हिस्से में नदी के दोनों ओर 2.50–2.50 किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है। करीब 2100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सौंग पेयजल परियोजना का बांध 133 मीटर ऊंचा होगा। परियोजना के पूरा होने के बाद पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भी बेहतर होगी। इस मौके पर उपमहाप्रबंधक प्रताप सिंह बिष्ट, परियोजना प्रबंधक सुधीर सैनी, शुभांशु तिवारी, धीरेंद्र नेगी, गिरीश भट्ट आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

तेज बुखार के बाद भी अरुंधति ने रिंग में उतरकर स्वर्ण जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लासगो (ईएमएस)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाज 70 किलोग्राम वर्ग के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। अरुंधति ने इस मैच में बुखार के बाद भी मुकाबला लड़ा। इस सफलता के बाद से ही

अरुंधति के घर में जश्न जैसा माहौल है पर जिस प्रकार से तेज बुखार में अरुंधति इस मैच में उतरी उसके लिए वह प्रशंसा की पात्र हैं। फाइनल मुकाबले से पहले अरुंधति को करीब 102 डिग्री बुखार था लेकिन उनके कदम नहीं डगमगाए और उन्होंने देश के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। उनकी बहन चारू ने अपनी खुशी और बहन के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि अरुंधति की यह स्वर्णिम यात्रा आसान नहीं थी। उनका सपना भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है।

शुरुआत में वह बास्केटबॉल खेला करती थीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने मुक्केबाजी को अपना लिया। कोटा जैसे शहर में मुक्केबाजी के लिए उचित प्रशिक्षण और कोच की कमी एक बड़ी चुनौती थी। उन्हें अपनी ट्रेनिंग के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा पर अरुंधति ने कभी हार नहीं मानी। कॉमनवेल्थ में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने को साबित किया है।

राष्ट्रमण्डल खेलो में कुल सात स्वर्ण पदक में से छह विजेता हरियाणा के हैं। ऐसे में, अरुंधति एकमात्र ऐसी मुक्केबाज रहीं जिन्होंने हरियाणा से बाहर रहते हुए भी यह स्वर्ण जीता।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिरा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का नाम भी शुरुआती सूची में शामिल नहीं है। पिछले महीने विंबलडन में वापसी के बावजूद, घुटने की चोट के कारण वह अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ प्रस्तावित युगल मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त तक पूरी होगी। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ संयुक्त एकल रैंकिंग वाली छह जोड़ियों को सीधे मुख्य दौर में जगह मिलेगी, आठ जोड़ियों को विशेष आमंत्रण मिलेगा, जबकि अंतिम दो स्थानों का फैसला 24 अगस्त को होने वाले क्वालीफिकेशन मुकाबलों से होगा।

भारत की तन्वी ने ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता

ग्लास्गो (एजेंसी)। ताइपे सिटी (ईएमएस)। भारत की 17 साल की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने रविवार को यहां ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। तन्वी ने महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। 17 साल की तन्वी ने फाइनल में थुई लिन्ह को केवल 36 मिनट में ही 21-16, 21-16 से हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही तन्वी ताइपे ओपन में सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं, उन्होंने ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा। खिताब जीतने के बाद तन्वी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा कि उसका लक्ष्य केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम खोने वाली तन्वी ने फाइनल मुकाबले में भी जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट और क्रॉस कोर्ट स्मैश से थुई लिन्ह पर 10-2 की बड़ी बढ़त बना ली। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के सामने टिक नहीं पायी। इस भारती खिलाड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया।

वहीं दूसरे गेम में वियतनामी खिलाड़ ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई पर तन्वी ने धैर्य बनाए रखते हुए शानदार नेट शॉट्स और सटीक बैक कोर्ट प्ले के दम पर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर 8-4 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बनाए रखने के बाद, तन्वी ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त को 18-12 तक पहुंचाया। कुछ मैच अंक खोने के बावजूद, तन्वी ने चौथे अवसर का फायदा उठाते हुए ये मुकाबला जीत लिया। पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय तन्वी ने 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में भी जगह बनाई थी।

भारतीय टीम नौवी बार श्रीलंका में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलेगी

12 खिलाड़ी पहली बार श्रीलंकर में टेस्ट खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम एक बार फिर श्रीलंका में खेलती दिखेगी। भारतीय टीम को ये दौरा 9वां द्विपक्षीय टेस्ट दौरा होगा। अगर पिछले तीन दशक के इतिहास पर नजर डालें, तो साल 1985 से 2017 तक भारतीय टीम ने श्रीलंका में कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान भारत ने 9 जीत दर्ज की हैं, 7 में उसे हार मिली और 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से भारत का पलड़ा भारी रहा है और टीम ने श्रीलंकाई मैदानों पर अपने पिछले पांचों टेस्ट मैच जीते हैं। इस बार भारतीय टीम के 15 सदस्यीय दल में से 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार श्रीलंका में टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने भले ही बाकी जगहों पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहां उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को श्रीलंका की धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत मिली, लेकिन सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद 1997, 1999 और 2001 में भी भारतीय टीम को खास सफलता नहीं मिली और या तो सीरीज ड्रॉ रही या भारत को हार झेलनी पड़ी। 2008 का दौरा अजंता मेंडिस की रहस्यमी स्पिन के लिए याद किया जाता है, जिसने

भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था, और भारत को सीरीज गंवानी पड़ी। 2010 में रोमांचक सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही।

हालांकि, 2015 का श्रीलंका दौरा भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। गॉल में 63 रनों की हार श्रीलंका की धरती पर टेस्ट मैचों में भारत की आखिरी हार थी। उस हार के बाद, विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने वापसी की और अगले दोनों टेस्ट जीतकर 2-1 से ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम की। 2017 में भारत ने श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह सफाया कर दिया। 26 जुलाई को गॉल में 304 रनों की विशाल जीत, 3 अगस्त को एसएससी में पारी और 53 रनों की जीत, और 12 अगस्त को पल्लेकेले में पारी और 171 रनों की धमाकेदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से जीती और अपना दबदबा साबित किया।

अगर द्विपक्षीय सीरीज के नतीजों पर नजर डालें तो 1985, 1993, 2001 और 2008 की चारों सीरीज में भारत को नाकामी मिली थी (1993 ड्रॉ, अन्य में हार), जबकि 2010 की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। लेकिन 2015 (2-1) और 2017 (3-0) की पिछली दो सीरीज जीतकर भारत ने अपना दबदबा साबित किया है। अब 2026 में, जब भारतीय टीम 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतर रही है, तो उनके सामने अपने पिछले 5 टेस्ट मैचों की जीत की लय को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

पंड्या बंधुओं के बीच सुलह वाला वीडियो पुराना निकला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुणाल पंड्या के बीच सुलह की अटकलों की बात गलत निकली है। हार्दिक और कुणाल के बीच पिछले कुछ समय से मतभेद का दावा किया जा रहा था। इसी कारण दोनो सार्वजनिक स्थानों पर एकसाथ नहीं देखते हैं। हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रुणाल द्वारा हार्दिक के लिए कोई सोशल मीडिया पोस्ट न करने से रिश्तों में अनबन और तेज़ होने की बात कही गयी। इसी बीच ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेज़ी से वायरल हुआ, जिसमें दोनों भाइयों को मस्ती के मूड में एक साथ देखा गया, जिसके बाद यह दावा किया जाने लगा कि उनके बीच सब कुछ ठीक हो गया है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर सामने आया कि ये फर्जी है।

मुंबई एयरपोर्ट के इस वायरल वीडियो में पंड्या बंधुओं को एक साथ हंसते-बात करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दोनों भाई एयरपोर्ट से निकलते हुए बेहद खुशमिजाज नज़र आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत यह दावा करना शुरू कर दिया कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच चल रही दूरियां अब खत्म हो गई हैं और उनके रिश्ते पहले की तरह हो गये हैं। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों ने मान लिया कि इनके बीच सब पहले जैसा हो गया। वहीं जब इस वीडियो की सच्चाई की जांच की गई तो पता चला कि यह क्लिप हाल का नहीं है। यह वीडियो काफी पुराना है, जिसे किसी यूज़र ने मौजूदा संदर्भ में दोबारा शेयर कर दिया। परिणामस्वरूप, कई लोगों ने इसे हाल का वीडियो समझ लिया और दोनों भाइयों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के दावे और चर्चाएं करने लगे। ऐसे में, केवल इस पुराने वीडियो के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच सब कुछ ठीक हो गया है या उनके रिश्तों पर पड़ी बर्फ पिघल गई है। फिलहाल, दोनों के रिश्ते की मौजूदा स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक या नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत की इशरूप ने रेपेशॉज मुकाबले में जॉर्जिका को हराया

-कांस्य की उम्मीदें बरकरार

ग्लास्गो (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में रविवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास नहीं रहा। भारत की जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग (78 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को निराशा का सामना करना पड़ा और वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इशरूप ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के रेपेशॉज मुकाबले में कैमरून की जॉर्जिका वेस्ली जेंगुए मौने को हराया। इशरूप ने अपनी लंबी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दो युको हासिल किए और अंततः वाजा-आरी के आधार पर मुकाबला जीता। इस जीत के साथ, इशरूप अब कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे भारत के लिए पदक की एक और उम्मीद बंधी है। जूडो

में, युको तब दिया जाता है जब कोई खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को सफलतापूर्वक गिराता है या उसे पांच से नौ सेकंड तक होल्ड-डाउन करता है।

वहीं स्वर्ण पदक जीतने की उनकी उम्मीदें अभियान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयी थीं। उन्हें इंग्लैंड की एमा रीड ने इप्पोन से मात दी। चार मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में इशरूप को दो पेनल्टी (शिडो) मिलीं, जबकि एमा ने दो वाजा-आरी हासिल कर अपनी जीत तय की। इशरूप ने अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करते हुए स्कॉटलैंड की निकोल वुड को हराया था। महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के इस शुरुआती मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा था, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक मिनट 40 सेकंड के बाद निर्णायक युको हासिल कर पांच मिनट 40 सेकंड तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। वहीं, इप्पोन जूडो का सर्वोच्च अंक होता है, जिसके मिलते ही मुकाबला तुरंत समाप्त हो जाता है। वहीं अन्य भारतीय जूडो खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़। पुरुषों के 100 किग्रा वर्ग में भारत के अवतार सिंह को प्री-क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के अरिस्टोस माइकल के खिलाफ इप्पोन से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके अलावा इसी तरह, यश घंगास भी पुरुषों के 100 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में हार के साथ ही बाहर हो गये पाए। उन्हें राउंड 16 में वेल्स के जोशुआ व्हाइटहाउस से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये बेरवाल, बोले एशियाई खेलों में प्रयास करेंगे

ग्लासगो । भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने राष्ट्रमण्डल खेलों में 90 किलो से अधिक के वर्ग में रजत पदक जीता है। नरेंद्र ने कहा कहा कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा बेरवाल ने पुरुषों के 90 किलो से अधिक वजन वर्ग में रजत पदक जीता पर वह स्वर्ण नहीं जीत पाये। उन्हें फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड केमुक्केबाज डैमर थॉमस के खिलाफ 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। बेरवाल इससे निराश दिखे। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य के लिए एक मजबूत संकल्प भी जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत कम अंतर से स्वर्ण नहीं जीत पाया। से चूक गया, मैंने अपनी पूरी ताकत लगायी थी। इंग्लैंड के खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला काफी कठिन था। मुझे स्वर्ण पदक न जीत पाने का दुख है पर मैं इस कमी को अगले एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर पूरा करने के प्रयास करूंगा। बेरवाल की ये बातें उनकी दृढ़ता और अगले बड़े लक्ष्य के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती हैं। बेरवाल ने भारतीय मुक्केबाजी दल के समग्र प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई भारतीय मुक्केबाज बेहद करीबी मुकाबलों में हार गए, जो थोड़ी निराशाजनक बात थी। बेरवाल के अनुसार, सुमित कुंडू, आदित्य यादव, परवीन हुड्डा और कपिल पोखरिया जैसे खिलाड़ी 3-2 के बेहद करीबी अंतर से हारे। यदि ये मुकाबले हमारे पक्ष में जाते, तो भारत कुल 14 में से 14 पदक जीत सकता था। उन्होंने आगे कहा कि अगले बड़े आयोजनों के लिए टीम और भी बेहतर तैयारी के साथ उतरेगी। टूर्नामेंट में बेरवाल का सफर बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में त्रिनिदाद और टोबैगो के नाइजेल पॉल को 5-0 के एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

इंटर मियामी के लिए मेसी की वापसी, कैसिमिरो ने किया 'ओन गोल'

मियामी । अर्जेंटीना के विश्व कप फ़ाइनल में हार के बाद स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में इंटर मियामी के लिए सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतरे। इस मैच में उनके साथी खिलाड़ी कैसिमिरो ने 'ओन गोल' '(अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गोल) कर दिया। 19 जुलाई को अपनी टीम की कप्तानी करते हुए 1-0 से हारने के बाद से मेसी ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। 39 साल के इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान आठ गोल किए और चार असिस्ट किए। मेसी शनिवार को मेजर लीग सॉकर मैच में 53वें मिनट में मैदान पर उतरे, इस दौरान इंटर मियामी के घरेलू दर्शकों ने उनका ज़ोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। उस समय उनकी टीम 2-1 से आगे चल रही थी। उन्हें तुरंत एक मौका मिला, लेकिन मुश्किल एंगल से बाएं पैर से मारा गया उनका शॉट साइड-नेटिंग में चला गया। मेसी को जल्द ही एक और मौका मिला, लेकिन लुइस सुआरेज़ की गेंद को छाती से रोकने के बाद, उन्होंने जो शॉट मारा, वह गोलपोस्ट के थोड़ा बाहर चला गया। मियामी ने सुआरेज़ के शानदार लॉन्ग-रेंज चिप शॉट से बढ़त बनाई थी। यह चार मैचों में उनका सातवां गोल था। जुलाई में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद मियामी से जुड़े ब्राज़ील के मिडफील्डर कैसिमिरो ने गलती से कोलंबस के लिए बराबरी का गोल कर दिया। एक क्रॉस को रोकने के प्रयास में उन्होंने गेंद को अपनी ही टीम के नेट में डाल दिया। लेकिन नोआ एलन ने हेडर से घरेलू टीम को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद ब्राइस मेंडेज़ ने अपने डेब्यू मैच में 84वें मिनट में फ्री-किक से गोल करके कोलंबस क्रू को ड्रॉ दिलाया। एडेड टाइम में मेसी के पास जीत दिलाने वाले गोल के कुछ मौके थे, लेकिन उनका एक लूपिंग हेडर थोड़ा बाहर चला गया और फिर दाएं पैर से मारा गया शॉट बार के ऊपर से निकल गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'भारत के लिए तीसरा लगातार गोल्ड जीतकर गर्व महसूस हो रहा' : मीराबाई चानू

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय वेटलिफ्टिंग दल स्वदेश लौट आया। दिल्ली पहुंचने पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। मीराबाई ने इस बार महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीतते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मीराबाई ने रचा ऐतिहासिक रिकॉर्ड

मीराबाई चानू ने ग्लासगो में गोल्ड जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में अपना चौथा पदक हासिल किया। उन्होंने 2014 में रजत पदक जीता था, जबकि 2018, 2022 और अब 2026 में लगातार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन गई हैं। दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने भारत के लिए पदक जीता। मुझे मणिपुर से होने पर भी गर्व है और खुशी है कि मैं देश के लिए कुछ कर सकी।' दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली मीतेई कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने उनका जोरदार स्वागत किया।

कोच विजय शर्मा ने की जमकर तारीफ

भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने पूरे दल के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मीराबाई की उपलब्धि असाधारण है। उन्होंने कहा, 'मीराबाई सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की पहली महिला हैं जिन्होंने लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीता है। यह उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।' कोच ने यह भी बताया कि अब टीम का पूरा फोकस अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स पर रहेगा।

अन्य पदक विजेताओं ने भी जताई खुशी

महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कहा कि पदक जीतने और देशवासियों से मिले सम्मान से वह बेहद खुश हैं। पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग के रजत पदक विजेता ऋषिकांत सिंह ने कहा कि इस सफलता से उन्हें भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए और अधिक प्रेरणा मिली है। वहीं +110 किलोग्राम वर्ग में रजत जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान एशियन गेम्स में पदक जीतने पर है।

वेटलिफ्टिंग में भारत का शानदार प्रदर्शन

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम ने कुल 8 पदक जीते।

भारत के पदक विजेता

स्वर्ण (1)= मीराबाई चानू (महिला 48 किग्रा)

रजत (6)= ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा),

हरजिंदर कौर (69 किग्रा), ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), मुथुपांडी राजा (65 किग्रा), वल्लुरी अजय बाबू (79 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)

कांस्य (1)=बिंदियारानी देवी (महिला 58 किग्रा)

भारतीय वेटलिफ्टरों के इस शानदार प्रदर्शन ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश की पदक तालिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

कनाडा ओपन में खेलेंगे वीनस विलियम्स और एलेक्जेंड्रा एला

टोरंटो। अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला कनाडा ओपन डब्ल्यूटीए 1000 में टेनिस खेलते हुए नजर आएंगी। अमेरिका की विलियम्स रविवार को वाइल्डकार्ड एंट्री के साथ अपना अभियान शुरू करेंगी; कनाडा में यह उनका 13वां टूर्नामेंट होगा। कनाडा में उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 में रहा था, जब उन्होंने अपनी बहन सेरेना को हराकर फ़ाइनल में जगह बनाई थी। यह टूर्नामेंट 1 से 13 अगस्त तक चलेगा और महिलाओं के मैच टोरंटो में होंगे। 46 साल की खिलाड़ी पहले राउंड में सेंटर कोर्ट पर उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा का सामना करेंगी। वहीं एला को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में जगह) मिला है, इसलिए वह दूसरे राउंड के लिए मंगलवार या बुधवार को कोर्ट पर उतरेंगी। उनका मुकाबला अमेरिका की एलिसिया पार्क्स या अंडोरा की क्वालिफ़ायर विक्टोरिया जिमेनेज़ कासिंत्सेवा से हो सकता है।